हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 01 अंक : 331 : जौनपुर, शनिवार 02 सितम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

अब वन डिस्ट्रिक्ट, वन कोऑपरेटिव बैंक की दिशा में आगे बढ़ेगा उत्तर प्रदेश : योगी

एजेन्सी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि राज्य के विकास और अन्नदाता किसानों की जरूरतों को देखते हुए सभी को बैंकिंग सुविधाएं मिलनी चाहिए। हमने सहकारिता विभाग से कहा है कि जिन स्थानों पर बैंक शाखा की आवश्यकता हो, वहां मैपिंग की जाए। सीएम ने कहा, उत्तर प्रदेश में एमएसएमई का सबसे बड़ा बेस है, इसके लिए सहकारी बैंकों की बहुत बड़ी भूमिका हो सकती है। हमें प्रयास करना चाहिए कि वहां पर सहकारिता बैंक की एक शाखा खोलने के साथ ही बीसी सखी के कार्यक्रम को जोड़ने का कार्य करें। पहले चरण में बैंक खोलें, दूसरे चरण में इन बैंकों को प्रॉफिटेबल बनाएं और फिर तीसरे चरण में हम वन डिस्ट्रिक्ट, वन कोऑपरेटिव बैंक की परिकल्पना की दिशा में आगे बढ़ें। राज्य सरकार इसमें पूरा सहयोग करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को अपने सरकारी आवास में बी पैक्स सदस्यता महाभियान एवं टोल फ्री नंबर शुभारंभ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में यह बातें कहीं। उन्होंने कहा कि आज उत्तर प्रदेश एक अच्छे निवेश गंतव्य के रूप में आगे बढ़ रहा है। हमारा वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट कार्यक्रम देश भर में छा गया है। कहा कि आज आत्मनिर्भरता के लक्ष्य के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कहते हैं कि हमें लोकल फॉर ग्लोबल के बारे में विचार करना होगा। इसमें एमएसएमई विभाग अपने लोकल प्रोडक्ट के लिए उनकी पैकेजिंग, डिजाइनिंग, मार्केटिंग के लिए एक बड़े अभियान को आगे बढ़ा रहा है। एक नई होड़ लगी है कि हम भी लोकल प्रोडक्ट को बढ़ाने में योगदान दें। सहकारी बैंक भी इस प्रक्रिया के साथ जुड़ते हैं तो यह उनके प्रति आमजन के विश्वास को बहाल करने में मदद करेगा। सीएम योगी ने कहा कि सहकारिता भारतीय परंपरा का प्राचीन काल से अभिन्न हिस्सा रहा है, लेकिन एक समय सहकारिता के इस कार्य में सेंध लगी और गलत लोग इसमें शामिल हो गए और देश की सबसे बड़ी आबादी के प्रदेश ने इसकी बड़ी कीमत चुकाई। हम सब आभारी हैं पीएम मोदी के जिन्होंने 2019 में दोबारा पीएम बनने के बाद सहकारिता को मंत्रालय का दर्जा दिया। सहकारिता को आम नागरिक के जीवन में समृद्धि का एक माध्यम बनाकर उसे समृद्धि, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। देश के पहले सहकारिता मंत्री के रूप में आज देश के गृह मंत्री अमित शाह ने सहकारिता को समृद्धि के साथ जोड़ते हुए उसकी सबसे आधारभूत इकाइ पैक्स को मजबूत बनाने की ओर कार्य किया है। यह हमारे लिए प्रसन्नता का विषय है कि उत्तर प्रदेश में एक से 30 सितंबर तक इस सदस्यता अभियान का शुभारंभ और टोल फ्री नंबर जारी किया गया है। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन सरकार सहकारिता को समृद्धि के साथ जोड़ते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ा रही है। पैक्स अब तक खाद और बीज बेचने तक ही सीमित रहता था, लेकिन अब इसको कॉमन सर्विस डेवलपमेंट सेंटर के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। अब वहां पर अन्य सुविधाएं उपलब्ध हो पाएंगी। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश जैसे राज्य में खेती ही उसकी सबसे बड़ी समृद्धि रही है। हमारे पास दुनिया की सबसे उर्वरा भूमि है तो सबसे अच्छा जल संसाधन भी मौजूद है। 2.61 लाख से अधिक किसान ऐसे हैं जो पीएम किसान सम्मान निधि से जुड़े हुए हैं। यानी 3 करोड़ किसान हमारे पास हैं जो इस अभियान से जुड़कर इसको समृद्धि के पथ पर अग्रसर करके उत्तर प्रदेश की कृषि को उत्तर प्रदेश की समृद्धि से जोड़ने में सहायक हो सकते हैं। भारत की आजादी के समय कुल जीडीपी का 40 फीसदी से अधिक भाग कृषि का था। धीरे–धीरे यह कम होता गया और अब यह 16–17 फीसदी पर आ गया है, लेकिन उत्तर प्रदेश में यह अब भी 25 से 26 फीसदी है। हम इसमें और भी अच्छा योगदान दे सकते हैं। किसानों को समय पर बीज मिले, समय पर खाद मिले, सभी इकाइयां प्रभावी ढंग से काम करना प्रारंभ कर दें तो कोई कारण नहीं कि अन्नदाता किसान इसी धरती से सोना उगाने का काम न कर दे। विश्वास है कि यह अभियान उत्तर प्रदेश में सहकारिता आंदोलन को एक नई गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करेगा।

केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के घर में गोली लगने से शख्स की मौत

लखनऊ (संवाददाता)। लखनऊ के दुबग्गा में केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के घर के अंदर एक शख्स की गोली लगने से मौत हो गई। मृतक की पहचान विनय श्रीवास्तव के रूप में हुई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल शुरू कर दी है। मामला ठाकुरगंज थाना क्षेत्र के बेगरिया गांव का है। विनय श्रीवास्तव के परिजनों ने लिखित तहरीर दी है। जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि विनय की मौत केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर के पुत्र विकास किशोर की पिस्टल से हुई है। ठाकुरगंज दुबग्गा पुलिस मौके पर पहुंची है। विनय श्रीवास्तव केंद्रीय मंत्री के बेटे का करीबी था। बताया जा रहा है कि जिस समय गोली चली है उस समय घर में कई और लोग भी मौजूद थे। पुलिस अधिकारी ने कहा कि गोली लगने से एक शख्स की मौत हुई है। उसके सिर में गोली लगी है। फोरेंसिक टीम भी मौके पर मौजूद है। जांच की जा रही है। गोली किन परिस्थितियों में चली इस बारे में जानकारी जुटाई जा रही है। वहीं मंत्री कौशल किशोर ने मामले को लेकर कहा कि उन्हें जब मामले की जानकारी हुई तो कमिश्नर समेत पुलिस के अन्य अधिकारियों को सूचना दी। साथ ही मृतक के परिजनों के आरोपों को लेकर कहा कि यह जांच का विषय है। जो भी सच है वह बाहर आएगा।

युवक की हत्या पर सपा नेता ने उठाए सवाल

लखनऊ। सपा प्रवक्ता व पूर्व एमएलसी सुनील सिंह साजन ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मंत्री के घर में हुई हत्या पर सवाल उठाएं हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से फेल हो गई है। भाजपा में शामिल मंत्रियों और नेताओं का घर अपराधियों का अड्डा बन चुका है। सुनील सिंह साजन ने कहा कि जब मंत्री के घर में हत्या हो रही है। तो फिर आम जनता कैसे सुरक्षित होगी। उन्होंने बताया कि यह कोई पहला मामला नहीं है इससे पहले भी लखीमपुर में केन्द्रीय मंत्री के बेटे ने किसानों पर कार चढ़ा कर हत्या की है। साजन ने कहा कि यह कहीं न कहीं उत्तर प्रदेश की योगी सरकार अपराधियों को लाइसेंस दे रखा है। उन्होंने कहा कि जब लखनऊ पुलिस कह रही है कि मंत्री के बेटे की रिवाल्वर से गोली चली है तो फिर प्रदेश की जनता कैसे सुरक्षित महसूस करेगी। बता दें कि केंद्रीय राज्य मंत्री और उत्तर प्रदेश की मोहनलाल गंज सीट से सांसद कौशल किशोर के लखनऊ स्थित घर पर युवक की हत्या कर दी गई।

मणिपुर में हिंसा से जुड़े मामलों की तेजी से जांच के लिए बनेंगी 42 एसआईटी

एजेन्सी

इम्फाल। राजभवन के सूत्रों ने शुक्रवार को कहा कि मणिपुर में हिंसा से संबंधित सभी मामलों की तेजी से जांच के लिए कम से कम 42 विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित किए जाएंगे।

पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डी.डी. पडसलगीकर, जिन्हें सुप्रीम कोर्ट द्वारा सीबीआई और एसआईटी को सौंपे गए मामलों की निगरानी के लिए नियुक्त किया गया था, ने मणिपुर की राज्यपाल अनुसुइया उइके से मुलाकात की और उन्हें राज्य में मौजूदा संकट से अवगत कराया। राजभवन के सूत्रों ने कहा कि पडसलगीकर ने राज्यपाल को सूचित किया कि शुरुआत में 42 एसआईटी गठित की जाएंगी और मणिपुर में हिंसा से जुड़े सभी मामलों की तेजी से जांच की जाएगी। पूर्व उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार को हाल ही में मुख्य रूप से सीबीआई और एसआईटी द्वारा जांच किए गए मामलों की निगरानी के लिए मणिपुर में तैनात किया गया है। सूत्रों ने कहा, ष्जहां तक पहाड़ी जिलों के मामलों का सवाल है, पडसलगीकर ने राज्यपाल को सूचित किया कि मामलों की जांच के लिए बीएसएनएल और एनआईसी के माध्यम से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सुविधाएं प्रदान की जाएंगी। पडसलगीकर के मुताबिक, जांच की पहली स्टेटस रिपोर्ट अक्टूबर के पहले सप्ताह तक संबंधित अथॉरिटी को सौंप दी जाएगी। उन्होंने कहा कि उन्होंने कई राहत शिविरों का दौरा किया और शिविरों में आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों से मुलाकात की। पडसलगीकर ने राज्यपाल से लोगों की मदद के लिए हर संभव कदम उठाने का अनुरोध किया।

इसरो वैज्ञानिकों ने तिरुमाला में की पूजा–अर्चना

एजेन्सी

तिरूपति। सूर्य का अध्ययन करने के उद्देश्य से आदित्य एल1 मिशन के महत्वपूर्ण प्रक्षेपण से पहले, भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के वैज्ञानिकों ने शुक्रवार को यहां तिरुमाला मंदिर में पूजा–अर्चना की। अंतरिक्ष एजेंसी के वैज्ञानिकों ने सुबह तिरुमाला हिल्स के ऊपर स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर का दौरा किया।

उन्होंने मिशन की सफलता के लिए प्रार्थना की, जिसे 2 सितंबर को सुबह 11.50 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा अंतरिक्ष बंदरगाह से लॉन्च किया जाना है। आदित्य स1 अंतरिक्ष यान को सौर कोरोना के दूरस्थ अवलोकन और स1 (सूर्य–पृथ्वी लैग्रेंजियन बिंदु) पर सौर हवा के सीटू अवलोकन प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है, जो पृथ्वी से लगभग 1.5 मिलियन किलोमीटर दूर है।

कांग्रेस ने संगठन गठन की प्रक्रिया की तेज, केंद्रीय को-आर्डिनेटर नियुक्त

एजेन्सी

चंडीगढ़। कांग्रेस हाईकमान ने हरियाणा में संगठन गठन के लिए प्रक्रिया तेज कर दी है। पहले चरण में जिलाध्यक्षों का फैसला होना है। जिलाध्यक्षों के लिए पार्टी नेतृत्व स्थानीय नेताओं पर भरोसा नहीं कर रहा है। अपने स्तर पर जिलाध्यक्ष के संभावित चेहरों के लिए फीडबैक जाएगा। इसके लिए पार्टी हाईकमान ने 11 एआईसीसी को–आर्डिनेटर नियुक्त किए हैं। उनके सहयोग के दो–दो पीसीसी (प्रदेश कांग्रेस कमेटी) के को–आर्डिनेट भी लगाए हैं। इतना ही नहीं, जिलों में बैठकों व सभी प्रकार के सहयोग के लिए वरिष्ठ नेताओं को जिला प्रभारी के तौर पर कार्डिनेटरों के साथ जोड़ा है। हरियाणा मामलों के प्रभारी दीपक बाबरिया की मंजूरी के बाद यह लिस्ट जारी की है। बताते हैं कि नवनियुक्त को–आर्डिनेटरों की बैठक भी प्रभारी ने शनिवार को (नयी दिल्ली स्थित 15 जीआरजी में बुलाई है। इस बैठक में संगठन गठन को लेकर उन्हें दिशा–निर्देश दिए जाएंगे। संगठन को लेकर खुद प्रभारी लोकसभा क्षेत्रवार नेताओं की बैठकें ले चुके हैं। एक–एक केंद्रीय कार्डिनेटर को दो–दो जिलों की जिम्मेदारी दी गई है। कुल 11 केंद्रीय कार्डिनेटरों की नियुक्ति हुई है। यमुनानगर जिला कांग्रेस की इस लिस्ट में शामिल नहीं है। फरीदाबाद व पलवल जिले के लिए केंद्र की ओर से हंसमुख चौधरी को को–आर्डिनेटर नियुक्त किया है। प्रदेश कांग्रेस की ओर से उनके साथ पूर्व शिक्षा मंत्री गीता भुक्कल व वरिष्ठ कांग्रेस नेता चक्रवर्ती शर्मा को जोड़ा है। गुरुग्राम व नूंह जिला के लिए केंद्र की ओर से अब्दुल हनन को को–आर्डिनेटर लगाया है। उनके सहयोग के लिए पीसीसी की ओर से इसराना विधायक बलबीर वाल्मीकि और अब्दुल गफ्फार कुरैशी को अटैच किया है। धीरु भाई पटेल रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ जिला के कार्डिनेटर होंगे। प्रदेश कांग्रेस की ओर से बादली विधायक कुलदीप वत्स और भिवानी के पवन बुवानीवाला उनका सहयोग करेंगे। भिवानी और चरखी दादरी जिला के कार्डिनेटर अनिल यादव होंगे। यादव के सहयोग के लिए वरिष्ठ नेता विजय प्रताप सिंह तथा लाल बहादुर खोहल को जिम्मेदारी सौंपी है। रोहतक व झज्जर जिला के लिए हाईकमान ने दीपक पाठक को को–आर्डिनेटर की जिम्मेदारी दी है। प्रदेश कांग्रेस ने उनके साथ रणधीर सिंह तथा पूर्व स्वास्थ्य मंत्री राव नरेंद्र सिंह को जोड़ा है। सोनीपत व जींद जिला में मयंक पटेल कार्डिनेटर होंगे। स्थानीय स्तर पर लाडवा विधायक मेवा सिंह और शुगरफैड के पूर्व चेयरमैन अजय शर्मा (नारनौल) उनका सहयोग करेंगे। पार्टी ने पानीपत व करनाल जिला के लिए योगराज भादोरिया को को–आर्डिनेटर लगाया है। पूर्व विधायक जरनैल सिंह तथा एसएल शर्मा उनका सहयोग करेंगे। सिरसा व फतेहाबाद जिला में को–आर्डिनेटर की जिम्मेदारी कुलजीत बचौल को सौंपी है। खरखौदा विधायक जयवीर सिंह वाल्मीकि और कालका विधायक प्रदीप चौधरी को प्रदेश कांग्रेस की ओर से उनका सहयोग करने के लिए नियुक्त किया है। कुरुक्षेत्र व कैथल जिला के को–आर्डिनेटर का काम राजकुमार इंदौरिया देखेंगे।

रिटायरमेंट के 24 घंटे के अंदर खुल्लर की सीएमओ में एंट्री, सीएम के सीपीएस बने

एजेन्सी

चंडीगढ़। हरियाणा में 1988 बैच के वरिष्ठ आईएएस रहे राजेश खुल्लर की एक बार फिर सीएमओ (मुख्यमंत्री कार्यालय) में एंट्री हो गई है। उन्होंने मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्ट्टर का नया मुख्य प्रधान सचिव (चीफ प्रिंसिपल सेक्रेटरी) लगाया है। वे 1982 बैच के वरिष्ठ सेवानिवृत्त आईएएस डीएस ढेसी की जगह लेंगे। ढेसी को सरकार ने मुख्य प्रधान सचिव के पद से रिलीव कर दिया है। खुल्लर बृहस्पतिवार को ही आईएएस सेवाओं से रिटायर हुए हैं। वे पहले भी मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव रह चुके हैं। खुल्लर की मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्ट्टर के साथ काफी नजदीकियां हैं। मुख्यमंत्री के अनुरोध पर ही केंद्र ने खुल्लर को वर्ल्ड बैंक के कार्यकारी निदेशक पद से समय पहले ही हरियाणा बुलाने की मंजूरी दी थी। खुल्लर वाशिंगटन डीसी में वर्ल्ड बैंक के कार्यकारी निदेशक अक्तूबर–2020 में बने थे। वे वर्ल्ड बैंक में भारत, बांग्लादेश, भूटान और श्रीलंका का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। अब सीएमओ में खुल्लर की एंट्री के साथ ही प्रदेश की ब्यूरोक्रेसी में बड़े बदलाव का आधार बन गया है। वर्ल्ड बैंक से लौटने के बाद सरकार ने खुल्लर को एफसीआर तथा राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग का अतिरिक्त मुख्य सचिव नियुक्त किया था। स्कूल शिक्षा विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव की जिम्मेदारी भी खुल्लर के पास रही। 1982 बैच के आईएएस रहे डीएस ढेसी 30 जून, 2020 को हरियाणा के मुख्य सचिव के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सरकार ने 16 अगस्त, 2020 को उन्हें हरियाणा राज्य बिजली विनियामक आयोग (एचईआरसी) का चेयरमैन नियुक्त किया था। भाजपा सरकार में खुल्लर की पहली बार सीएमओ में एंट्री नवंबर–2015 में हुई थी। खट्टर पार्ट–। की शुरूआत में संजीव कौशल मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव थे। नवंबर–2015 में कौशल की जगह ही राजेश खुल्लर को सीएम का प्रधान सचिव लगाया गया था। वे लगभग पांच वर्षों तक इस पद पर रहे।

शिवराज का एक मंत्र पैसा दो और काम लो : कमलनाथ

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश में आगामी विधानसभा के चुनाव में कांग्रेस भ्रष्टाचार को बड़ा मुद्दा बना रही है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने तो दिल्ली में बन रहे मध्य प्रदेश भवन में भी भ्रष्टाचार होने का आरोप लगाते हुए कहा है कि शिवराज सिंह चौहान का एक ही मंत्र है पैसा दो और काम लो। कांग्रेस से प्रदेश अध्यक्ष कमलनाथ ने ट्वीट कर कहा है, शिवराज सिंह चौहान भ्रष्टाचार पर एक्शन नहीं करते, बल्कि हर एक्शन में भ्रष्टाचार करते हैं। मध्य प्रदेश का 50 प्रतिशत् कमीशन राज हर रोज नए नजारे पेश कर रहा है। दिल्ली में बना नया मध्य प्रदेश भवन इसका ताजा उदाहरण है। कमलनाथ ने अपने शासनकाल का जिक्र करते हुए कहा, मैंने जब दिल्ली में नए मध्य प्रदेश भवन की आधारशिला रखी थी तो किसी भी प्रदेश का सबसे सुंदर भवन बनाने का संकल्प लिया था, लेकिन शिवराज सिंह चौहान ने उसे भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा दिया।

हिंदू धर्म पर टिप्पणी से नाराज महंत ने थाने में दी तहरीर

एजेन्सी

बरेली। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य हिंदू धर्म के खिलाफ विवादित बयान देकर चौतरफा घिर गए हैं। विपक्षी दलों के साथ साथ खुद उनकी ही पार्टी के नेता उनके बयान पर आपत्ति जाहिर कर रहे हैं।

अब उनके बयान से आहत साधु–संतों ने भी नाराजगी जाहिर की है। स्वामी प्रसाद मौर्य की बयानबाजी से आहत स्थानीय साईं मंदिर के महंत पंडित सुशील पाठक ने बारादरी थाने में तहरीर देते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। श्यामगंज चौकी प्रभारी ने उन्हें बुलाकर बयान दर्ज किया है। महंत ने रविवार रात तक रिपोर्ट दर्ज न होने पर सोमवार सुबह से बेमियादी अनशन शुरू करने की बात कही है। पाठक ने तहरीर में जिक्र किया है कि स्वामी प्रसाद मौर्य रोज ही हिंदू धर्म और ब्राह्मणों को निशाना बनाकर बयान दे रहे हैं। वह राजनैतिक पदों पर बैठे या सत्तापक्ष को लेकर कोई बयान दें, इससे कोई परहेज नहीं है पर हिंदू धर्म को धोखा बताकर और मंदिरों को तोड़ने जैसे बयान देकर वह ठीक नहीं कर रहे हैं। इससे देश के एक बड़े वर्ग की भावनाएं आहत हो रही हैं। स्वामी प्रसाद के खिलाफ तत्काल रिपोर्ट दर्ज की जाए। बारादरी थाने के प्रभारी इंस्पेक्टर अली हसन ने बताया कि श्यामगंज चौकी प्रभारी मामले की जांच कर रहे हैं। स्वामी प्रसाद मौर्य ने बयान लखनऊ में दिया गया है। यहां रिपोर्ट दर्ज करने के आधार को लेकर उच्चाधिकारियों से बात करेंगे। उनके निर्देश के मुताबिक ही आगे की कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। सपा नेता ने रविवार को ट्वीट करते हुए कहा कि ब्राह्मणवाद की जड़ें बहुत गहरी हैं और सारी विषमता का कारण भी ब्राह्मणवाद ही है। हिंदू नाम का कोई धर्म है ही नहीं, हिंदू धर्म केवल धोखा है। सही मायने में जो ब्राह्मण धर्म है, उसी ब्राह्मण धर्म को हिंदू धर्म कह करके इस देश के दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों को अपने धर्म के मकड़जाल में .. फंसाने की एक साजिश है।

लद्दाख में चीन को लेकर पीएम ने देश से बोला झूठ राहुल गांधी ने साधा मोदी पर निशाना

एजेन्सी

मुंबई। इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा। राहुल गांधी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जो दल मंच पर मौजूद हैं, वह 60 प्रतिशत लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, भाजपा का जीतना असंभव है। विकास में गरीबों और किसानों को साथ लेकर चलेंगे। उन्होंने कहा कि मतभेद थे, लेकिन जिस तरह से मतभेदों को दूर किया गया, उससे मैं प्रभावित हूं। मतभेद भुलाकर सारे नेता एकजुट हुए हैं। सेशन में दो बातें डिसाइड की गईं । पहली कॉ–ओर्डिनेशन कमेटी का गठन होगा। दूसरा जल्दी से जल्दी सीट बंटवारे पर चर्चा होगी। उन्होंने कहा कि विपक्ष एक तो बीजेपी का जीतना नामुमकिन है। राहुल गांधी ने अदाणी का मुद्दा उठाते हुए कहा कि एक कारोबारी और पीएम के बीच सांठगांठ है। उन्होंने कहा इंडिया गठबंधन बीजेपी के भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ेगा। प्रधानमंत्री मोदी और अदाणी के बीच रिश्ता, मोदी जी को कह देना चाहिए, हम जांच कराएंगे। मुझे विश्वास है, बीजेपी को इंडिया गठबंधन हराएगा। हम गरीबों, किसानों को साथ लेकर चलेंगे। एक बार फिर चीन का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस नेता ने कहा, "मैंने लद्दाख में देखा चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा किया है। चीन पर मोदी जी सच छिपा रहे हैं। चीन पर प्रधानमंत्री झूठ बोल रहे हैं। इससे पहले डीएमके अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने विपक्षी गठबंधन 'इंडिया के साझेदारों से तुरंत एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम (सीएमपी) तैयार करने का आग्रह किया और कहा कि यह गठबंधन का चेहरा होगा। मुंबई में विपक्ष की बैठक को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा कि तुरंत एक समन्वय समिति गठित की जानी चाहिए और एक सीएमपी तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, "यह (सीएमपी) विपक्षी गठबंधन 'इंडिया का चेहरा होगा। भाजपा सरकार ने देश को कई तरीकों से बर्बाद कर दिया है। इसे (सीएमपी) लोगों के सामने एक खाका पेश करना चाहिए जिसमें यह बताया जाए कि बदलाव करने के लिए हमारा इरादा क्या है।

सम्पादकीय

जानलेवा प्रदूषण

यह विडंबना ही है कि देश में प्रदूषण व अन्य पर्यावरणीय संकट से जुड़े निष्कर्ष विदेशी एजेंसियों, विश्वविद्यालयों तथा विदेशी जर्नल के जरिये सामने आए तथ्यों के आधार पर पेश किये जाते हैं। कहना कठिन है कि शोध व अध्ययन के ये आंकड़े कितने तार्किक व विश्वसनीय हैं। यह भी कि उसमें बाजार की कितनी भूमिका है। विगत में पश्चिमी देशों की विशालकाय बहुराष्ट्रीय कंपनियां विकासशील देशों की प्रतिष्ठा से खेलने का उपक्रम भी करती रही हैं। विडंबना यह भी है कि ये अध्ययन उन विकासशील देशों को केंद्र में रखकर किये जाते हैं, जो सदियों औपनिवेशिक शासन के जरिये इन्हीं विकसित देशों द्वारा शोषित होते रहे हैं। जाहिर है अर्थव्यवस्था को गति देने हेतु औद्योगिक इकाइयों का विस्तार इन देशों की मजबूरी है। बड़ी आबादी को रोजगार देना भी विवशता है। अपना लक्षित विकास कर चुके विकसित देश अब ग्लोबल वार्मिंग व प्रदूषण का ठीकरा विकासशील देशों के सिर फोड़ने पर आमादा रहते हैं। बहरहाल, इसके बावजूद यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के एक संस्थान की वह रिपोर्ट हमें परेशान करती है कि वायु प्रदूषण के चलते भारत में जीवन प्रत्याशा में गिरावट आ रही है। जिसमें फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले पी.एम. 2.5 कण की बड़ी भूमिका है। रिपोर्ट बताती है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानकों से कहीं अधिक प्रदूषण भारत में लोगों की औसत आयु पांच साल कम कर रहा है। जबकि दुनिया की सबसे ज्यादा प्रदूषित राजधानी दिल्ली के बारे में अध्ययन बताता है कि लोगों की उम्र 11.9 साल घट सकती है। बहरहाल, इन आंकड़ों का सत्यापन करने और प्रदूषण के खिलाफ योजनाबद्ध ढंग से मुहिम छेड़ने की भी जरूरत है। अध्ययन इशारा करता है कि देश की एक अरब तीस करोड़ की आबादी ऐसी जगहों पर रहती है जहां प्रदूषण डब्ल्यूएचओ के मानकों से कहीं अधिक है। वहीं दो तिहाई भारतीय जनसंख्या ऐसे शहरों में निवास करती है, जहां प्रदूषण भारतीय मानकों से भी अधिक है। दूसरी ओर भारत का सबसे कम प्रदूषित शहर भी डब्ल्यूएचओ के निर्धारित मानकों से सात गुना अधिक प्रदूषित है। सवाल यह है कि हमारे नीति–नियंता इस विकट होती स्थिति से निबटने के लिये युद्धस्तर पर पहल क्यों नहीं करते। दीवाली के बाद जब दिल्ली गहरे प्रदूषण के आगोश में होती है तो कोर्ट से लेकर सरकार तक अति सक्रियता दर्शाते हैं। लेकिन स्थिति थोड़ी सामान्य होने पर परिणाम वही 'ढाक के तीन पात'। कभी पेट्रोल–डीजल के नये मानक तय किये जाते हैं तो कभी जीवाश्म ईंधन पर रोक लगाने की बात की जाती है। फिर पराली को लेकर ठीकरा पंजाब व हरियाणा के किसानों के सिर फोड़ दिया जाता है। जिससे रह–रह कर प्रदूषण गंभीर स्थिति में पहुंचता रहता है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम की शुरुआत की गई थी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने वर्ष 2019 में यह कार्यक्रम देश के सौ से अधिक शहरों में शुरू किया था। जिसका मकसद ज्यादा प्रदूषित शहरों में हवा के स्तर को सुधारना था। विडंबना यह है कि चार साल बाद पता चला कि किसी भी शहर ने अपने लक्ष्य को पूरा नहीं किया। यह चिंताजनक स्थिति तब है जबकि हवा को स्वच्छ बनाये रखने के लिये विभिन्न शहरों को छह हजार करोड़ रुपये आवंटित किये गये थे। जहां कुछ सुधार हुआ भी, सर्दियों में स्थिति जस की तस हो गई। वहीं दूसरी ओर विडंबना यह भी है कि जहां एक ओर विकासशील देश पहले ही निर्धारित वायु गुणवत्ता के मानक पूरा नहीं कर पा रहे हैं डब्ल्यूएचओ ने मानकों को और कठोर बना दिया है। ऐसी स्थिति में जब पूरी दुनिया में ग्लोबल वार्मिंग का संकट गहरा रहा है सभी सरकारों व नागरिकों का दायित्व बनता है कि अपने–अपने स्तर पर प्रदूषण को कम करने वाली जीवन शैली अपनाएं। निस्संदेह, गरीब मुल्कों के सामने जीविका संकट पहले से ही हैं, लेकिन समय की संवेदनशीलता को देखकर नीतियों का निर्धारण करना होगा। हमें यह भी ध्यान रखना होगा कि पूरी दुनिया में सत्तर लाख मौतें हर साल प्रदूषित वायु के चलते हो रही हैं। जिसके लिये ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन को नियंत्रित करना दुनिया की प्राथमिकता होनी चाहिए।

ध्वस्त हो रही चीन की अर्थव्यवस्था

क्या चीन की अर्थव्यवस्था का गुब्बारा फूट चुका है। हांगकांग और शंघाई की गगनचुंबी इमारतों के पीछे का सच सामने आने लगा है और भविष्यवाणी की जाने लगी है कि चीन की अर्थव्यवस्था ध्कभी भी धराशायी हो सकती है। दुनिया को अपने आर्थिक आतंकवाद से आतंकित करने वाले ड्रैगन की छटपटाहट दुनिया महसूस कर रही है। आगामी दिनों में चीन की इकानॉमी के बारे में और सच सामने आना तय है। इसका वैश्विक अर्थव्यवस्था पर प्रभाव पड़ना तय है। हांगकांग का हैंग सेंग (एचएसआई) सूचकांक मंदी की चपेट में है। पिछले हफ्ते चीनी युआन 16 वर्षों में अपने सबसे निचले स्तर पर गिर गया। रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि इस साल की शुरुआत में कोविड लॉकडाउन हटने के बाद गतिविधियों में तेजी से बढ़ोतरी के बाद भी विकास रुक रहा है। उपभोक्ता कीमतें गिर रही हैं, रियल एस्टेट संकट गहरा रहा है और निर्यात में गिरावट आ रही है। युवाओं में बेरोजगारी की स्थिति इतनी बदतर हो गई है कि सरकार ने आंकड़े ही प्रकाशित करना बंद कर दिया है। नोमुरा, मॉर्गन स्टेनली और बार्कलेज के शोधकर्ताओं ने पहले अपने पूर्वानुमानों में कटौती की थी। इसका मतलब है कि चीन लगभग 5.5: के अपने आधिकारिक विकास लक्ष्य से चूक सकता है। चीन की अर्थव्यवस्था अप्रैल से मंदी में है, लेकिन इस महीने प्रॉपर्टी बिक्री के मामले में देश की सबसे बड़ी डेवलपर कंपनी कंट्री गार्डन और शीर्ष ट्रस्ट कंपनी झोंगरोंग ट्रस्ट के डिफॉल्टर के बाद चिंताएं तेज हो गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि कंट्री गार्डन ने दो अमेरिकी डॉलर बांड पर ब्याज भुगतान में चूक की है, जिससे निवेशक घबरा गए। चीन ने रियल एस्टेट बाजार को पुनर्जीवित करने के लिए कई उपाय शुरू किए हैं। लेकिन यहां तक कि इस क्षेत्र की मजबूत कंपनियां भी अब डिफाल्टर के कगार पर हैं। इस महीने की शुरुआत में झोंगरोंग ट्रस्ट कम से कम चार कंपनियों को लगभग 19 मिलियन डॉलर मूल्य के निवेश उत्पादों को चुकाने में विफल रहा है। चीनी सोशल मीडिया पर वीडियो में देखा गया ध्कि गुस्साए प्रदर्शनकारियों ने हाल ही में ट्रस्ट कंपनी के कार्यालय के बाहर उत्पादों पर भुगतान की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन भी किया। दुनिया पर चीनी अर्थव्यवस्था की गिरावट का असर यूरोप, अमेरिका, अफ्रीका और भारतीय उपमहाद्वीप पर पड़ना तय है। अगर इन देशों से मांग कम रही तो चीनी फैक्ट्रियों के चक्के धीमे पड़ जाएंगे। चीनी फैक्ट्रियों में उत्पादन कम होने से बेरोजगारी बढ़ने की आशंका होगी। यह दुनिया को मंदी की तरफ धकेल देगा।

आईएमएफ का कहना है कि चीन की आर्थिक वृद्धि दर में एक प्रतिशत की वृद्धि से अन्य देशों में 0.3 प्रतिशत की वृद्धि होती है। संघर्षरत चीनी अर्थव्यवस्था वैश्विक सुधार को शुरुआती स्थिति में ही बाधित कर देगी। आईएमएफ के अनुसार, 2022 में 35: के मुकाबले 2023 में वैश्विक वृद्धि अब केवल 3: होगी। वर्ष 2023 में वैश्विक विकास में चीन और भारत की तरफ से 50: से अधिक योगदान करने की उम्मीद है। भारत को इस अवसर का लाभ उठाने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। मोदी सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में पीएलआई योजनाओं को लागू करके विनिर्माण उद्योगों को बढ़ावा देना शुरू किया है। चीन की ताकत रही हार्डवेयर इंडस्ट्री के बड़े खिलाड़ियों ने भारत में अपने प्रोजेक्ट लगाने शुरू कर दिए हैं। आईटी हार्डवेयर में 38 वैश्विक कंपनियों का पीएलआई स्कीम के लिए आवेदन उत्साहजनक है। जैसे–जैसे चीन धीमा होगा, वैसे–वैसे उसकी तेल और अन्य वस्तुओं की मांग बढ़ेगी।

मुम्बई बैठक से बढ़ी इंडिया की ताकत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पहले से अड़चन में लाने वाले विवादास्पद कारोबारी गौतम अदानी को लेकर हुए नये खुलासों, चीन द्वारा जारी नये नक्शे से पीएम द्वारा झूठ बोला जाना साबित हो जाने, संसद के 18 से 22 सितम्बर तक अचानक बुलाए गये विशेष सत्र, नजदीक आती जी–20 की बैठक जैसे मुद्दों के बीच 2024 में होने जा रहे लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केन्द्र सरकार को चुनौती देने के लिये बने विपक्षी गठबन्धन इंडिया (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूजिव एलाएंस) की दो दिवसीय बैठक गुरुवार को जिस सकारात्मक नोट के साथ प्रारम्भ हुई है, वह आशा बंधाती है कि भारत को जिस आर्थिक बदहाली, सामाजिक विखंडन और कुप्रबन्धन के गर्त में इस सरकार ने डाल रखा है, उससे उबारने के लिये देशवासियों के सामने एक मजबूत विकल्प साकार हो सकेगा। इस दो दिवसीय बैठक में इंडिया का शुभंकर यानी लोगो, संयोजकों का मनोनयन, सीटों का बंटवारा, भावी कार्यक्रम जैसे विषयों पर फैसले होने हैं जिसके बाद इंडिया के घटक दल चुनावी तैयारियों में लग जायेंगे। इसी वर्ष जून में बिहार की राजधानी पटना तत्पश्चात जुलाई में कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में हुई बैठकों की कड़ी में यह तीसरा महाजुटान है। पटना बैठक में 16 विपक्षी दल इसमें शामिल हुए थे, जबकि बेंगलुरु में 26 दल आ जुड़े थे। अबकी बार दो नये दल भी इंडिया से आ मिले

हैं जो बतलाता है कि सामूहिक प्रतिपक्ष सघन और विस्तृत दोनों ही हो रहा है। जिन दलों को लेकर संशय था, वे भी संयुक्त विपक्ष का हिस्सा बनते गये (जैसे आम आदमी पार्टी) या जिन नेताओं की निष्ठा पर शक जाहिर किया जा रहा था, वे भी साथ हैं। ऐसों में एनसीपी के सुप्रीमो शरद पवार मुख्य हैं जिनके बारे में कहा जा रहा था कि वे कभी भी पाला बदल सकते हैं। उनके बारे में ऐसा सोचने का कारण यह था कि उनके भतीजे और कुछ प्रमुख समर्थक उनसे अलग होकर महाराष्ट्र की उस मिली–जुली सरकार का हिस्सा हैं जिसके अन्य घटक दल भाजपा तथा शिवसेना का एकनाथ शिंदे वाला धड़ा है। वही पवार इस वक्त इंडिया के प्रमुख नेताओं में से एक हैं और शिवसेना प्रमुख बाल ठाकरे के पुत्र व उद्धव धड़े के प्रमुख हैं। वे पवार के ऐसे सहयोगी हैं जिनके बल पर भाजपा–शिंदे–अजित पवार (शरद पवार के भतीजे, जो अलग हुए नेताओं में से एक हैं) की सरकार वाले महाराष्ट्र की राजधानी मुम्बई में इंडिया की बैठक कर रहे हैं। इसके पहले हुई बैठकें उन राज्यों में हुई थीं जिनमें इंडिया में शामिल दलों की सरकारें हैं। बिहार में जनता दल यूनाईटेड (जेडीयू) व राष्ट्रीय जनता दल (राजद) की, तो कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है। यह बैठक ऐसे वक्त में हो रही है जब नये खुलासों के रूप में अंतरराष्ट्रीय ख्याति की संगठन ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एंड करप्शन रिपोर्टिंग प्रोजेक्ट (ओसीसीआरपी) ने नया धमाका किया है जिसमें बतलाया गया है कि गौतम अदानी एवं उनके भाई विनोद अदानी ने अपनी ही राशि से खुद की कम्पनियों के शेयर खरीदकर उस नियम का उल्लंघन किया है जिसके तहत कोई भी कम्पनी का प्रमोटर इनसाइड ट्रेडिंग नहीं कर सकता। निर्धारित संख्या में कुछ शेयर छोटे निवेशकों द्वारा खरीदे जाते हैं। इस रिपोर्ट को दो प्रसिद्ध अखबार गार्डियन और दी फाइनेंशियल टाइम्स ने भी प्रकाशित कर बतलाया है कि मोदी के साथ ही निवेशकों के हितों की रक्षा करने के जिम्मेदार सेबी, जांच एजेंसियों आदि ने भी अदानी को बचाने में भूमिका निभाई। उल्लेखनीय है कि कुछ समय पहले हिंडनबर्ग रिपोर्ट आई थी जिसमें कहा गया था कि मोदी ने गौतम अदानी को फायदा पहुंचाया था। राहुल गांधी बार–बार यह मामला उठाते आए हैं। उन्होंने पिछले साल निकाली अपनी श्भारत जोड़ो यात्राश में इस मुद्दे को उठाया था तथा मोदी–अदानी के रिश्तों के बारे में लोकसभा में सवाल उठाये थे। इसके चलते एक अवमानना मामले का सहारा लेकर राहुल को लोकसभा से निलम्बित कर दिया गया था। मामला सुप्रीम कोर्ट में भी है और सेबी भी अड़चन में दिख रहा है जिसने अदानी को क्लीन चिट दी थी। इसी मुद्दे पर संसद के दोनों सदनों में संयुक्त संसदीय समिति बनाने की मांग की गई थी जिसे सरकार ने नकार दिया था। मुम्बई के बैठक स्थल पर आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में राहुल गांधी ने इस मामले को उठाते हुए कहा कि जी–20 की बैठक भारत में होने जा रही है। ऐसे में यह रिपोर्ट सामने आना देश की प्रतिष्ठा के प्रतिकूल है क्योंकि इस रिपोर्ट में आरोप लगाया गया है कि अदानी परिवार मोदी के करीबी हैं। राहुल ने कहा कि इस लेन–देन में दो विदेशी नागरिक नासेर अली शबान अली तथा चेंग चुंग चिंग भी सम्बद्ध हैं जो भारत की सुरक्षा को लेकर बड़ा खतरा है।

उन्होंने अपना पुराना सवाल दोहराया कि जो पैसा लगाया गया है, वह किसका है। राहुल के अनुसार 10 लाख डॉलर भारत से बाहर गया और फिर घूमकर भारत की अदानी की कम्पनियों में निवेश हुआ जिससे उनके शेयरों में उछाल आया एवं सरकारी परिसम्पत्तियों को इसी राशि से खरीदा गया। कहना न होगा कि इन कारणों से पहले से परेशान मोदी तथा भाजपा इंडिया की बढ़ती ताकत से और संकट से घिरते जा रहे हैं। वैसे तो इंडिया के जवाब के रूप में एनडीए की भी बैठक बुलाई गई है जिसमें 38 सदस्य हैं। यह अलग बात है कि इनमें से 24 पार्टियां ऐसी हैं जिनका किसी भी राज्य की विधानसभा या लोकसभा में कोई प्रतिनिधित्व नहीं है। बेशक, इंडिया की मुम्बई बैठक संयुक्त प्रतिपक्ष की बढ़ती ताकत का गवाह पहले ही दिन बन गई है।

इंडिया गठबंधन की राहें ?

आदित्य नारायण

लोकतान्त्रिक प्रणाली की शासन व्यवस्था की सफलता की एक प्राथमिक शर्त यह भी होती है कि विपक्ष सर्वदा मजबूत रहे और जनता के सामने कभी भी विकल्पों की कमी न हो। लोकतन्त्र का दूसरा नाम विकल्प चुनने की आजादी का भी होता है जिससे शासन प्रणाली में लगातार शुचिता बनी रहे। इसीलिए लोकतान्त्रिक व्यवस्था को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ शासन व्यवस्था माना जाता है। इसके मूल में वह तन्त्र होता है जिसके तहत 'कुदाल' लेकर जमीन की खुदाई करने वाले और अपने 'निजी विमान' से आसमान में उड़ने वाले व्यक्ति के अधिकार भी एक समान होते हैं क्योंकि दोनों के वोट का मूल्य बराबर ही होता है। आजाद भारत में स्वतन्त्रता सेनानियों ने अंग्रेजों से संघर्ष करके उन्हें बाहर निकालने के बाद देशवासियों को यह सबसे बड़ा अधिकार दिया जिसे संविधान निर्माता डा. बाबा साहेब अम्बेडकर ने 'राजनैतिक स्वतन्त्रता' का नाम दिया। हमारे संविधान निर्माताओं ने हर पांच वर्ष बाद चुनाव की जो व्यवस्था की उसका मन्तव्य हर हाल में देश में लोकोन्मुखी शासन इस तरह कायम करने का था कि सत्ता में आये किसी भी राजनैतिक दल को कभी भी स्वयं के 'स्वयंभू' होने का विचार सपने में भी न आ सके। अतः किसी भी राजनैतिक दल को केवल जनता से शक्ति प्राप्त करने के लिए बांध दिया गया और जनता को लोकतन्त्र का मालिक घोषित कर दिया गया। पूरी

प्रक्रिया में जनता की वोट की ताकत को स्थिरांक (कांस्टेंट) बना कर राजनैतिक दलों की ताकत को अस्थिर (वेरियेबल) बनाया गया। जरा कोई सोचे कि क्या इससे बेहतर भी कोई शासन प्रणाली हो सकती है? अतः 2024 के चुनावों की तैयारी के लिए विपक्ष की जिन 28 पार्टियों के गठबन्धन 'इंडिया' का जो दो दिवसीय सम्मेलन मुम्बई में चल रहा है उसे हमें इसी पृष्ठभूमि में देखना होगा। लोकतन्त्र में सत्तारूढ़ पार्टी की जगह लेने के लिए विपक्षी दल हमेशा कवायद करते रहते हैं। यदि ऐसा न होता तो हम पिछले 76 वर्षों के दौरान केन्द्र में सत्ता में आयी विभिन्न राजनैतिक पार्टियों का शासन भी न देखते। 'इंडिया' गठबन्धन और इसके जवाब में 38 राजनैतिक दलों के सत्तारूढ़ गठबन्धन 'एनडीए' को हमें इसी नजरिये से देखना होगा। इंडिया में जहां कांग्रेस सबसे बड़ी एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी है वहीं एनडीए में भाजपा की यही स्थिति है। बेशक दो गठबन्धन अस्तित्व में हैं परन्तु व्यावहारिक तौर पर हमें असली लड़ाई कांग्रेस व भाजपा में ही देखने को मिलेगी हालांकि कांग्रेस की ताकत विभिन्न मजबूत क्षेत्रीय दलों ने किसी हद तक हजम कर रखी है परन्तु जमीन पर इस वास्तविकता को देखते हुए ही विभिन्न विपक्षी दलों ने एकजुट होने का फैसला किया है जबकि दूसरी तरफ भाजपा की अपनी निजी ताकत में ही गुणात्मक वृद्धि हुई है और इसके विभिन्न सहयोगी दल हाशिये पर ही जोर आजमाइश करने वाली पार्टियां हैं। विपक्षी दलों के गठबन्धन का मुख्य कारण भी यही है। इंडिया गठबन्धन के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि विभिन्न मजबूत क्षेत्रीय दलों के बीच भिन्न–भिन्न विचारधाराओं का समन्वय किस प्रकार हो जिससे भाजपा के समक्ष एक ठोस विमर्श खड़ा किया जा सके और आम जनता को आश्वस्त किया जा सके कि सत्ता में पहुंचने पर उनके बीच विचारधारा का संकट नहीं रहेगा और वे सभी एक तयशुदा कार्यक्रम के तहत काम करेंगे। अतः गठबन्धन के लिए न्यूनतम साझा कार्यक्रम तैयार करना पहली वरीयता होगी। इसके साथ ही इंडिया की एकता इस बात पर निर्भर करेगी कि इसके अलग–अलग पार्टी के नेता जनता के बीच एक ही जबान में बोलें अर्थात उनका एक संयुक्त निर्विवादित एजेंडा हो। इसमें शामिल दलों की पहचान बेशक अलग हो सकती है मगर जनता उनकी पैमाइश एक ही तरीके से करे। यह कार्य निश्चित रूप से किसी कद्दावर नेता को गठबन्धन का 'संयोजक' बनाये बिना नहीं हो सकता। इंडिया के पास ऐसे केवल दो ही नेता हैं। एक तो कांग्रेस अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे और दूसरे राष्ट्रवादी कांग्रेस के अध्यक्ष श्री शरद पवार। दोनों जमीनी नेता हैं और आम जनता के बीच संघर्ष करके शिखर तक पहुंचे हैं हालांकि सुश्री ममता बनर्जी को भी इसी श्रेणी में रखा जा सकता है परन्तु उनकी पहुंच बांग्लाभाषियों में सिमटी हुई है। सबसे बड़ी समस्या लोकसभा के टिकट बंटवारे की है। इस बारे में एक नजीर 1977 की हमारे सामने है। उस समय विपक्षी खेमे में आज की सत्तारूढ़ पार्टी भाजपा भी शामिल थी। विपक्षी गठबन्धन के सिर पर जयप्रकाश नारायण व अचार्य कृपलानी जैसे नेताओं का साया भी था परन्तु विपक्षी गठबन्धन के प्रत्याशियों को टिकट बांटने का काम स्वयं चौधरी चरण सिंह को दिया गया था। हमें मालूम है कि दक्षिण भारत में इंडिया की स्थिति मजबूत नजर आ रही है अतः असली चुनौती उत्तर–पूर्व व पश्चिम भारत में ही है। आचार्य कृपलानी ने चौधरी चरण सिंह को टिकट देने का प्रभारी इसलिए बनाया था क्योंकि तब के विपक्षी गठबन्धन को दक्षिण भारत से ज्यादा उम्मीद थी। आज की परिस्थिति इसके ठीक उलट है। विपक्षी गठबन्धन को उत्तर भारत में ही भाजपा का कड़ा मुकाबला करना होगा। अतः चुनावी माहौल को वहीं नेता सूंघ सकता है जो जमीन पर संघर्षरत रहा हो खास कर मजदूर, किसान व गरीब वर्ग के लोगों की राजनैतिक मानसिकता का अन्दाजा लगा सकता हो। ये चुनाव राष्ट्रीय होंगे अतः राष्ट्र स्तर पर भी उसे सम्मान की नजर से देखा जाता हो। यह चुनौती बहुत बड़ी है। इसका समाधान इंडिया को जल्दी ही निकालना होगा। जहां तक इंडिया गठबन्धन के एकल नेतृत्व का सवाल है तो संसदीय लोकतन्त्र में यह इसलिए खड़ा हो रहा है क्योंकि प्रधानमन्त्री श्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता पर भाजपा को पूरा भरोसा है परन्तु भारत में 543 लोकसभा सीटों पर व्यक्तिगत रूप से चुनावी हार–जीत होती है और दलगत आधार पर होती है। इंडिया को लगता है कि उसके पास प्रधानमन्त्री पद के दावेदार नेताओं की कमी नहीं है परन्तु अन्ततः चुनावों के बाद नेतृत्व उसी नेता को मिलेगा जिसकी पार्टी के सांसदों की संख्या सर्वाधिक होगी। हालांकि यह कोई सुनिश्चित नियम नहीं है। इसलिए विपक्ष के लिए रास्ता बहुत कंकटाकीर्ण है।

नीरज ने भारत की खेल प्रतिभा का दुनियाभर में लोहा मनवा दिया है

ललित गर्ग

देश को लगातार मिल रही खुशीभरी खबरों एवं कीर्तिमानों के बीच एक और कीर्तिमान नीरज चोपड़ा ने जड़ दिया। चार दशक में पहली बार विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप में किसी भारतीय का देश की झोली में एक दुर्लभ स्वर्ण पदक डालना वाकई नया इतिहास रचने से कम नहीं है। नीरज चोपड़ा का जेवलिन थ्रो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतना सूखे में बरसात की बूंदों के समान ही माना जाएगा। इस रोशनी के एक टुकड़े ने देशवासियों को प्रसन्नता का प्रकाश दे दिया है, संदेश दिया है कि देश का एक भी व्यक्ति अगर दृढ़ संकल्प से आगे बढ़ने की ठान ले तो वह शिखर पर पहुंच सकता है। विश्व को बौना बना सकता है। पूरे देश के निवासियों का सिर ऊंचा कर सकता है। इस ऐतिहासिक एवं यादगार उपलब्धि की खबर जब अखबारों में छपी तो सबको लगा कि शब्द उन पृष्ठों से बाहर निकलकर नाच रहे हैं। नीरज की एक खिलाड़ी होने की यात्रा अनेक संघर्षों, झंझावातों एवं चुनौतियों से होकर गुजरी है। चंद बरस पहले वह बढ़ते वजन से परेशान एक युवा थे। 13 साल की उमर में उनका वजन 80 किलोग्राम हो गया था जिसकी वजह से उनकी उम्र के दूसरे बच्चे उन्हें चिढ़ाते थे। वहां से शुरू करके नीरज ने न सिर्फ अपने शरीर को साधा बल्कि अपने मन को अनुशासित कर इस तरह से केंद्रित किया कि लगातार आगे बढ़ते रहे, कीर्तिमान गढ़ते रहे। लेकिन उनके पांव जमीन पर हैं और तभी वह भाला फेंकते हैं तो दूर तक जाता है और एक स्वर्णित इतिहास रचता है। तभी अब तक कोई भी एथलीट देश को जो गौरव नहीं दिला पाया था, वह नीरज ने दिलाया है। लेकिन बात सिर्फ इस एक गोल्ड की नहीं है। उनकी इस उपलब्धि के साथ ऐसी कई बातें जुड़ी हैं जो उन्हें खास बनाती हैं। उनको खास बनाने में जहां उनकी लगन, परिश्रम, निष्ठा एवं खेलभावना रही, वहीं साल 2018 में एशियाई खेल और फिर कॉमनवेल्थ गेम्स में गोल्ड, 2020 में तोक्यो ओलिंपिक्स में गोल्ड, 2022 में वर्ल्ड चौम्पियनशिप में सिल्वर, 2022 में ही डायमंड लीग में गोल्ड और 2023 में वर्ल्ड चौंपियनशिप में गोल्ड लाने का उनका करिश्मा तो बहुत कुछ कहता ही है, सबसे बड़ी बात यह है कि इस दौरान वह अपने प्रदर्शन में लगातार निखार लाते रहे। उन्होंने भारतीय खेलों को भी दुनिया में शीर्ष पर पहुंचाया है। इस उपलब्धि भरी सुहानी फिजां में सबसे अहम सवाल यह है कि दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश खेलों में वह मुकाम हासिल क्यों नहीं कर पाया जिसका वह हकदार है? क्या हमारे यहां खेल का माहौल नहीं है या फिर सुविधाओं के अभाव में खिलाड़ी आगे नहीं बढ़ पाते। या खेल भी राजनीति के शिकार हैं? ये सवाल इसलिए उठते हैं क्योंकि विश्व एथलेटिक्स चौंपियनशिप में अब तक पदक पाने वाले देशों की सूची में भारत बहुत पीछे है।

ओलम्पिक खेलों के 127 साल के इतिहास में हॉकी के अलावा हमें अब तक दो स्वर्ण पदक ही मिले हैं। इनमें एक नीरज चोपड़ा व दूसरा अभिनव बिन्द्रा के नाम ही है। ऐसा नहीं है कि आजादी के बाद देश ने विकास की रफ्तार नहीं पकड़ी हो। हर क्षेत्र में भारत ने प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुआ है। विज्ञान हो या अंतरिक्ष, देश ने दुनिया में अलग पहचान बनाई है। इस समय हम दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति बन गए हैं। छह दिन पहले ही चांद पर तिरंगा लहराया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण विश्व में भारत की बात को महत्त्व दिया जाता है।

महज पांच करोड़ की आबादी वाला देश केन्या 65 स्वर्ण पदक के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गया है। वहीं एक करोड़ की आबादी वाला देश क्यूबा विश्व चौंपियनशिप में 22 स्वर्ण पदक अपनी झोली में डाल चुका है। ओलम्पिक खेलों की बात की जाए तो वहां भी भारत का प्रदर्शन निराशाजनक ही रहा है। ओलम्पिक खेलों के 127 साल के इतिहास में हॉकी के अलावा हमें अब तक दो स्वर्ण पदक ही मिले हैं। इनमें एक नीरज चोपड़ा व दूसरा अभिनव बिन्द्रा के नाम ही है। ऐसा नहीं है कि आजादी के बाद देश ने विकास की रफ्तार नहीं पकड़ी हो। हर क्षेत्र में भारत ने प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुआ है। विज्ञान हो या अंतरिक्ष, देश ने दुनिया में अलग पहचान बनाई है। इस समय हम दुनिया की पांचवीं आर्थिक महाशक्ति बन गए हैं। छह दिन पहले ही चांद पर तिरंगा लहराया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कारण विश्व में भारत की बात को महत्त्व दिया जाता है। इन तमाम उपलब्धियों के बीच सवाल यही उठता है कि हम खेलों में पीछे क्यों हैं? क्या इसके लिए खेल संघ जिम्मेदार हैं? खेल संघों पर वर्षों से कब्जा जमाए बैठे राजनेता और नौकरशाह खेल की विकास यात्रा में बाधक तो नहीं बन रहे? ऐसे समय जब चांद के दक्षिण ध्रुव के पास चंद्रयान उतार कर भारतीय वैज्ञानिक स्पेस एक्सप्लोरेशन के क्षेत्र में अपना झंडा बुलंद कर चुके हैं और शतरंज में प्रग्नानंदा जैसे यंग टैलंट नई उम्मीदें दिखा रहे हैं, नीरज चोपड़ा की यह उपलब्धि न केवल देशवासियों के मनोबल को और ऊंचा करती है बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी निरंतर बेहतर करने का विश्वास और प्रेरणा देती है और आजादी के अमृतकाल को अमृतमय करने का हौसला देती है। नीरज ने 88.17 मीटर की दूरी पर भाला फेंक कर कीर्तिमान स्थापित किया और साबित कर दिया कि भारत की मिट्टी में जन्मे खेलों को यदि खुद भारतवासी ही इज्जत की नजर से देखें तो यह देश कमाल कर सकता है।

विकास खण्ड में भ्रष्टाचार के चंगुल में फंसकर कर तड़फड़ा रही विकास योजनाएं

पत्रकारों ने चलाई मुहिम तो आए दिन खुलती जा रही है गांवों में विकास कार्यों की पोल

जमीनी स्तर की बजाय फाइलों में हुए विकास कार्य दिखा डकार गए लाखों के वजट

सुजानगंज (जौनपुर)। पत्रकारों द्वारा गांवों में कराए गए विकास कार्यों की जांच हेतु चलाई गई मुहिम में सुजानगंज विकास खण्ड के गांवों में विकास कार्यों को जमीनी स्तर की बजाय फाइलों में दिखा कर डकारे गए लाखों के वजट की पोल खुलने लगी है।द आलम यह है कि सुजानगंज विकास खण्ड में फैले भ्रष्टाचार के चंगुल में फंसकर विकास योजनाएं तड़फड़ा रही है। यह पढ़ने सुनने में भले ही अटपटा लगे लेकिन हकीकत यही है कि सुजानगंज विकास खण्ड के जिन गांवों में कराए गए विकास कार्यो का पत्रकारों ने जायजा लिया। भ्रष्टाचार सामने आकर अपना सीना तान कर खड़ा हो गया। सुजानगंज विकास खण्ड का ग्राम पंचायत सर्वेमऊ हो या बेलवार,सरायकेवट हो या पियारेपुर ग्राम पंचायत हो विकास कार्य के नाम पर जमकर बंदर बांट किया जाना स्पष्ट रूप से दृष्टिगोचर नजर आया। लाखों की लागत से निर्मित कराए गए विकास कार्यों की बात तो दूर ग्राम पंचायत भवन एवं स्वच्छता अभियान के तहत निर्मित कराए गए

सामुदायिक शौचालय निर्माण में भी व्यापक पैमाने पर धांधली उजागर होने लगी। विकास खण्ड के पियारेपुर ग्राम पंचायत में कराए गए विकास कार्यों में की गई व्यापक पैमाने पर धांधली को लेकर खण्ड विकास अधिकारी द्वारा ग्राम प्रधान सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियोंध् कर्मचारियों के विरुद्ध सुजानगंज थाने में मुकदमा तक पंजीकृत कराया गया। जहां तक सुजानगंज विकास खण्ड के इंटहा ग्राम पंचायत का सम्बन्ध है सम्बन्धित ग्राम प्रधान एवं ग्राम पंचायत विकास अधिकारी (ग्राम सचिव) द्वारा सांठगांठ कर लाखों रुपए के सरकारी धन का बंदरबांट करने का मामला उजागर होने लगा। आलम यह रहा कि ग्राम पंचायत इटहा में लाखों रुपए खर्च किए जाने के बाद भी जहां सामुदायिक शौचालय में लटक रहे ताले को नहीं खोला जा सका वहीं ग्राम पंचायत का मिनी सदन भी अनाथालय का रूप धारण करने लगा है । विकास कार्यों में किए जा रहे घोटाले की सूचना खण्ड विकास अधिकारी को नहीं हो सत्य प्रतीत नहीं होता यह बात अलग है कि गांवों में कराए जाने वाले कागजी विकास कार्यों से होने वाली भारी भरकम राशि में शेयर के कारण मुंह मोड़ने के सिवा उनके सामने कोई और विकल्प नहीं बचा है । इंटहा गांव निवासी एवं क्षेत्र पंचायत सदस्य ने सामुदायिक शौचालय निर्माण में की गई धांधली के कारण पूर्णता हासिल नहीं होने की सूचना खण्ड विकास अधिकारी सुजानगंज को दी गई थी लेकिन कार्यवाही किए जाने के नाम पर रहस्यमय चुप्पी साध ली गई। जिसके कारण सामुदायिक शौचालय आज भी अपनी उपयोगिता को सफल बनाने में कामयाब नहीं हो सका खेल मैदान में भरा पानी गांव के प्रधान के विकास कार्यों की पोल खोल रहा है जहा तक ग्राम सचिवालय में सम्बन्धित कर्मचारियों के उपलब्ध रहने का सम्बन्ध है । कोई भी जिम्मेदार अधिकारी एवं कर्मचारी ग्राम सचिवालय में उपस्थिति दर्ज कराने में अपना अपमान समझने लगा है। इस सम्बन्ध में जानकारी हेतु जब सहायक विकास अधिकारी से सम्पर्क किया गया तो उन्होंने इन समस्याओं से पूरी तरह अनभिज्ञता जताते हुए कहा कि सूचना मिलने पर इसकी जांच कराई जाएगी तथा दोषी पाए जाने वाले लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए राष्ट्रव्यापी मेरी माटी मेरा देश अभियान का आज से शुभारंभ : डा राकेश त्रिवेदी

मेरी माटी, मेरा देश का अभियान 3 से 13 सितंबर तक

मेरा माटी मेरा देश अभियान का उद्देश्य उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों का नमन करना हैं : पुष्पराज सिंह

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी 3 सितंबर से लेकर 13 सितंबर तक मेरा माटी मेरा देश अभियान चलाएगी जिसको लेकर के भाजपा के जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह के अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों के साथ एक बैठक आयोजित की गई। जिसके मुख्य अतिथि जिला प्रभारी एवं पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष डा राकेश त्रिवेदी रहे। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि एवं जिलाध्यक्ष के साथ मंचासीन लोगो ने डा श्यामा प्रसाद मुखर्जी एवं पण्डित दीन दयाल उपाध्याय के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ की गई। उसके उपरान्त सामूहिक रूप से वंदे मातरम की गीत हुई।

बैठक को मुख्य अतिथि जिला प्रभारी डा राकेश त्रिवेदी ने कहा कि इस अभियान को तीन चरणों में बांटा गया है, जिसमें पार्टी के कार्यकर्ता 3 से 13 सितंबर तक ग्राम सभा व वार्ड स्तर पर हर घर से मिट्टी संग्रह कर जिसे एक कलश में भरा जाना, फिर उसके साथ प्रत्येक गांव में 75 पौधे लगाकर अमृत वाटिका बनाना है। इसके बाद प्रत्येक वार्ड से हर घर से एक चुटकी चावल संग्रह करना, ब्लाक में सामूहिक रूप से सांस्कृतिक सामाजिक कार्यक्रम करना जिसमे युवा, महिला, किसान, ब्यापारी, अधिवक्ता, शिक्षक, जैसे अलग अलग वर्ग की सहभागिता, कार्यक्रम में शहीदों के सम्मान के साथ ही बैड वादन करना। इसी क्रम में देश के लिए अपने प्राण न्यौछावर करने वाले वीरों को श्रद्धांजलि देने के लिए आज से राष्ट्रव्यापी ष्मेरी माटी मेरा देशष अभियान शुरू की गई।

कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए लोकसभा के प्रभारी अमरनाथ यादव ने कहा कि देश व प्रदेश में एक सितंबर से श्मेरी माटी, मेरा देशश अभियान की शुरुआत हुआ अभियान को प्रत्येक मंडल से हर बूथ पर से एक–एक चुटकी माटी इकठ्ठी कर अमृत कलश यात्रा की शुरुआत करेंगे और 7500 कलशो में मिट्टी लेकर यह यात्रा देश की राजधानी दिल्ली पहुंचेगी।

विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित राज्य सभा सांसद सीमा द्विवेदी ने कहा कि इस अभियान के तहत सरकार द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों में सक्रियता से जुड़ने और ज्यादा से ज्यादा जनसहभागिता सुनिश्चित करने का निर्देश पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं को दिया है। गांव के स्तर पर उस गांव के स्वतंत्रता सेनानी, उस गांव के सेना के जवान, सेन्ट्रल पुलिस फोर्स और राज्य पुलिस फोर्स के दिवंगत हुए जवान के नाम की शिला हर गांव में लगाई जाएगी। इस शिला के एक तरफ इन लोगों का नाम होगा और एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संदेश भी होगा। यह शिला उस गांव के नदी किनारेध्अमृत सरोवरध्स्कूलध्पंचायत कार्यालय में से किसी एक जगह लगाना है इसमें उन वीरों के नाम लिखने हैं।

विशिष्ट अतिथि विधान परिषद सदस्य विद्यासागर सोनकर ने कहा कि यात्रा के दौरान अलग–अलग जगह से पौधे लेकर जाएंगे और जो 7500 कलशो में मिट्टी और पौधों से 31 अक्टूबर को एक बहुत बड़ा कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगवाई होगा और नेशनल वार मेमोरियल के पास अमृत वाटिका बनाई जाएगी। जिस तरह यूनिटी का स्टैचू सरदार पटेल के विशालकाय मूर्ति निर्माण स्मारक बनाया गया । उसी तर्ज पर यह विशालकाय अमृत वाटिका बनाई जाएगी।

जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य उन बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों और वीरों का नमन करना है, जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन बलिदान कर दिया। इस अभियान में स्वतंत्रता सेनानियों और सुरक्षाबलों को समर्पित शिलापट्ट की स्थापना जैसे कार्यक्रमों के साथ–साथ पंच प्रण संकल्प, वसुधा वंदन, वीरों का वंदन जैसी पहल शामिल होंगी, जो हमारे बहादुरों के वीरतापूर्ण बलिदानों को नमन करेंगी। गांव, पंचायत, प्रखंड, कस्बे, शहर, नगर पालिका आदि के स्थानीय वीरों के बलिदान की भावना को सलाम करने वाली स्मारक पट्टिकाएं शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में लगाई जानी हैं।

कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष सुधाकर उपाध्याय ने किया। उक्त अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक जिला महामंत्री सुशील मिश्र पीयूष गुप्ता अमित श्रीवास्तव जिला उपाध्यक्ष सुरेन्द्र सिंघानिया सुधीर सिंह उमेश सिंह चिंताहरण शर्मा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री जी के द्वारा श्री अन्न फसलों की महत्ता को समझते हुए अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 को संयुक्त राष्ट्र संघ से अनुमोदित कराया : नितिन अग्रवाल

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)। जनपद में कृषि सूचना तंत्र के सुदृढ़ीकरण एवं कृषक जागरूकता कार्यक्रम योजनान्तर्गत आज पारम्पारिक विराट किसान मेला एवं प्रदर्शनी का आबकारी एवं मद्य निषेधा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल द्वारा शुभारम्भ दीप प्रज्वलन कर किया गया तथा कार्यक्रम में विभिन्न विभागों द्वारा लगाये गये स्टालों का अवलोकन मंत्री जी एवं किसानों द्वारा किया गया। मंत्री जी द्वारा किसान भाईयों का देश की अर्थव्यवस्था एवं खुशहाली में योगदान के लिए आभार प्रकट किया गया। मंत्रीजी ने कहा कि प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री जी द्वारा किसानों की आमदनी दोगुनी करने के लिए अनेकों योजनायें चलायी जा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा छः वर्षों में विभिन्न फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में दोगुने से ज्यादा की वृद्धि की गयीं है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के अन्तर्गत किसानों के खाते प्रतिवर्ष छः हजार रूपये सीधे खाते में भेजने का काम किया है, जिसमें से हरदोई के किसान भी लाभान्वित हुए है। उन्होने यह भी बताया कि प्रधानमंत्री जी के द्वारा श्री अन्न फसलों की महत्ता को समझते हुए अन्तर्राष्ट्रीय मिलेट्स वर्ष 2023 को संयुक्त राष्ट्र संघ से अनुमोदित कराया और देश और प्रदेश में श्री अन्न फसलों की खेती को बढ़ावा देकर किसानों की आय एवं लोगो का स्वास्थ्य सुरक्षित करने के लिए कदम उठाया। मंत्री जी यह भी उल्लेख किया कि जनपद में 64 कृषक उत्पादक संगठन कार्य कर रहे है, जिसके माध्यम से किसान भाइयों को सस्ते दर पर कृषि यंत्र, खाद, बीज, उन्नतशील तकनीकी एवं अच्छे दर पर उपज बिकी की सुविधा प्राप्त हो रही है। मंत्री जी कृषि विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अभियन चलाकर प्रत्येक विकास खण्ड पर दस कृषक उत्पादक संगठन (एफ०पी०ओ०) बनाये जाये। मंत्री जी ने किसान भाईयों से अपील की कि पराली दो खाद लो योजनान्तर्गत वह अपने खेत में फसल अवशेष (पराली) न जलाये और पराली को अपने नजदीकी गौशालाओं में दान कर गोबर की खाद प्राप्त करे। उक्त अवसर पर मंत्री द्वारा ग्राम पंचायत तत्यौरा विकास खण्ड बावन के प्रधान मुनीर को फार्म मशीनरी बैंक के ट्रैक्टर की चाभी एवं कृषक दीप सिंह, सिवानन्द को पावर स्प्रेयर मशीन, सुरेन्द्र पाल सिंह, दिनेशचन्द्र अग्निहोत्री, मुकेश कुमार द्विवेदी, मोलेशंकर एवं जुगराज सिंह को सोलर पम्प के स्वीकृति प्रमाण पत्र अनुज तिवारी, काशीराम रामविलास अमर सिंह एवं जगतपाल को तोरिया मिनी किट बीज एवं मेले में उपस्थित महिला कृषकों को मिलेट्स लोगो प्रिंटेंड थैला भी वितरित किये गये। उप कृषि निर्देशक ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, फसल अवशेष प्रन्धन हेतु अनुदान पर वितरित कृषि यंत्रों की योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना एवं श्री अन्न (मिलेट्स) की खेती के बारे में किसानों को विस्तृत जानकारी दी। डा० अंजली साहू वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदोई द्वारा किसानों को श्री अन्न (मिलेट्स) की फसलों की जानकारी दी तथा बताया कि श्री अन्न की फसलों की खेती मृदा एवं मानव के स्वास्थ्य के लिए सर्वोत्तम है। इसकी खेती में सिंचाई एवं उवर्रक की आवश्यकता भी नहीं पड़ती है। भूमि संरक्षण अधिकारी द्वितीय, हरदोई द्वारा किसान भाइयों को भूमि संरक्षण एवं खेत तालाब की योजना के बारे विस्तृत जानकारी दी गयीं। श्रीमती निधि गुप्ता, जिला गन्ना अधिकारी ने गन्ना विभाग से सम्बन्धित योजनाओं की एवं गन्ना की उन्नतशील खेती के बारे में बताया गया। डा0 ए0के0 तिवारी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, हरदोई द्वारा किसान भाइयों को दलहनी, तिलहनी एवं धान फसलों से सम्बन्धित कीट एवं रोग नियंत्रण एवं आगामी रबी सीजन में उगाई जाने वाली फसलों के लिए खेत की तैयारी के सम्बन्ध में चर्चा की गयी। विनीत कुमार, उप सम्भागीय कृषि प्रसार अधिकारी, सदर ने किसान भाइयों को गी आधारित प्राकृतिक खेती में बारे जानकारी दी। कार्यक्रम में डा० नन्द किशोर, उप कृषि निदेशक, वैज्ञानिक, कृषि विज्ञान केन्द्र, भूमि संरक्षण अधिकारी, जिला गन्ना अधिकारी समन्वयक फसल बीमा, ज्येष्ठ गन्ना विपणन निरीक्षक एवं विभिन्न विभाग से अधिकारियोंध् कर्मचारियों के साथ–साथ कृषक उत्पादक संघ के धर्मेन्द सिंह, अभिषेक द्विवेदी एवं पदाधिकारी व कृषक उपस्थित रहे।

ज्यादा से ज्यादा स्ट्रीट वेंडर को ऋण देने के लिए पंजीयन बढ़ाएं : डीएम

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर –जिलाधिकारी अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में पीएम स्वनिधि योजना की समीक्षा बैठक शुक्रवार सायं कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने पीएम स्वनिधि योजना के तहत 31अगस्त 2023 तक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय ऋण ट्रेंच में स्वीकृति एवं वितरण ऋण की प्रगति की समीक्षा करते हुए आवंटित लक्ष्य को पूरा करने हेतु अग्रणी जिला प्रबंधक, सभी बैंकर्स, एवं नगर निकाय के अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि ज्यादा से ज्यादा स्ट्रीट वेंडर को ऋण देने के लिए पंजीयन बढ़ाएं।

जिलाधिकारी द्वारा डिजिटल लेनदेन, क्यू आर कोड वितरण, असक्रिय वेंडरों को सक्रिय किए जाने, तथा स्ट्रीट वेंडर्स की प्रोफाइलिंग के संबंध में जानकारी प्राप्त किया गया।

इस अवसर पर प्रभारी परियोजना अधिकारी डूडा, सभी नगर निकायों के अधिशासी अधिकारी, एलडीएम सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

निषाद पार्टी के नेता को मारी गोली, दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज में भर्ती

दो आरोपियों को हिरासत में लेकर पुलिस कर रही पूछताछ – सीओ अयोध्या

अयोध्या। अयोध्या बाईपास के किनारे धर्मू का पुरवा में देर रात निषाद पार्टी के नेता लक्ष्मण निषाद संदिग्ध परिस्थितियों में गोली मारी गई।इसके छर्रे उनके हाथ और पांव में लगे हैं।फिलहाल उनका इलाज दर्शन नगर मेडिकल कालेज में चल रहा हैद। इस संबंध में सीओ अयोध्या एस पी गौतम ने बताया कि पुलिस ने घटना के बाद 2 आरोपियों को हिरासत में लेकर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है।बताते चलें कि लक्ष्मण निषाद अयोध्या जिले के कैंट थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।

सौर कलंक , प्रोमिनान्सेस , सोलर फ्लायर्स , फिलामेंट्स को जनसामान्य को दिखाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आदित्य स1 के लॉन्चिंग के अवसर पर उत्तर प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमे उत्तर प्रदेश अमेचर एस्ट्रोनॉमर्स क्लब के सदस्यों द्वारा दो सोलर टेलिस्कोप के माध्यम से सूर्य दर्शन कराये गए। सौर कलंक , प्रोमिनान्सेस , सोलर फ्लायर्स , फिलामेंट्स को जनसामान्य को दिखाया गया। इसके अलावा क्लब द्वारा आदित्य स-१ मिशन की सफल लॉन्चिंग की लाइव स्ट्रीमिंग भी की गयी है। क्लब के हर्षवर्धन , शरद , अभिमानु, संकल्प , स्वप्निल, भारत , अर्पण , अनुराग , शुभाशीष , अनस और अंशिका द्वारा कार्यक्रमों का आयोजन कराया गया। अनिल यादव, निदेशक , शिव प्रसाद, सचिव, डॉ० राजेश गंगवार, संयुक्त निदेशक , पूजा यादव , संयुक्त निदेशक, डॉ० डी० के ० श्रीवास्तव , संयुक्त निदेशक, राधे लाल , संयुक्त निदेशक भी उपस्थित थे। विज्ञानं एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के सभी कार्मिक इस मौके एवं लाइव स्ट्रीमिंग में मौजूद रहे। नेशनल पी जी कॉलेज , ख्वाजा मोइनुदीन चिस्ती विश्वविद्यालय, लखनऊ विश्वविद्यालय के लगभग 100 छात्रों एवं 40 उत्तर प्रदेश अमेचर एस्ट्रोनॉमर्स क्लब के सदस्य पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

सचिव संजय मल्होत्रा हमनवा ने बधाई दी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। प्रख्यात समाज सेविका, कवियत्री व लेखिका डॉ श्वेता श्रीवास्तव जो अपूर्वा सेवा समिति की मुख्य संयोजक

हैं,को आल इण्डिया प्रोफेशनल काँग्रेस ने स्टेट को ओर्डिनेटर उत्तर प्रदेश मनोनीत किया है इससे अपूर्वा परिवार और शहर में खुशी का माहौल है। सचिव संजय मल्होत्रा हमनवा ने उनको हार्दिक बधाई देते हुए संस्था व समाज के लिए उनके कार्यों की सराहना की। उनका साहित्य, संस्कृति से भी गहरा नाता है। डॉ श्वेता ने इस मनोनयन को एक जिम्मेवारी बताया। संस्था के आकाश गौतम, पवन पाठक, अब्बास वारसी, गौरव, राजू, शाश्वत, बिन्दु जैन, रागिनी ने भी उन्हें बधाई दी।

चौक में चारों प्रवेश द्वारों का होगा कायाकल्प व सौंदर्यीकरण - जिलाधिकारी

अयोध्या ।जलाधिकारी नितीश कुमार ने बताया कि चौक स्थित अयोध्या के चारों ऐतिहासिक प्रवेश द्वारों के संरक्षण एवं सौन्दर्यीकरण कार्य हेतु प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति शासन से प्राप्त हो गयी है।उन्होंने बताया कि शासन द्वारा चारों ऐतिहासिक प्रवेश द्वारों को ऐतिहासिक निर्माण तकनीकों, वास्तुकला एवं सामग्रियों (राफ्टर्स के साथ लखौरी ईंट और चूना मोर्टार आदि) का उपयोग करते हुये संरक्षित किया जायेगा ।इनके अनूठी वास्तुशिल्पीय मूल्यों एवं रचनात्मक कलाकृतियों को संरक्षित करने के साथ ही और भव्यता एवं आकर्षक स्वरूप प्रदान करने हेतु फसाड लाइटिंग भी की जायेगी।

जिम्मेदार कौन ? युवा आत्महत्या को विवश- डॉ प्रमोद के सिंह

राजनीति की पाठशाला के प्रदेश अध्यक्ष डॉ प्रमोद के सिंह

जौनपुर। आए दिन देश में बढ़ती छात्रों की आत्महत्या एक विकट और गंभीर समस्या बन चुकी है, जिसने लोगों को सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। प्रश्न यह उठता है कि आए दिन होने वाली आत्महत्याओं का जिम्मेदार अगर मानसिक अवसाद है तो इसका जिम्मेदार कौन?

वर्ष 2020 में 15526 मौतों से 45: की वृद्धि के साथ भारत में वर्ष 2021 तक प्रतिदिन 35 से अधिक, औसतन 13 हजार से अधिक छात्रों की मौत हुई। अगर इसे गहराई से समझा जाए तो 10732 में से लगभग 864 की मृत्यु का कारण परीक्षा में विफलता थी।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (छब्त्ठ) की एक्सीडेंटल डेथ एंड सुसाइड इन इंडिया (।क्ैप्) 2021 की रिपोर्ट के अनुसार कोविड–19 महामारी के वर्ष 2020 और 2021 में छात्रा द्वारा की जाने वाली आत्महत्या में काफी बढ़ोतरी हुई जो पिछले 5 वर्षों से लगातार बढ़ रही है।

छात्रों में बढ़ती आत्महत्या समाज और सरकार को गंभीर चिंतन और मनन करने के लिए विवश कर रही हैं। देश का युवा वर्ग विशेषकर 18 वर्ष से कम के युवाओं में आत्महत्या की प्रवृत्ति का बढ़ना चिंताजनक है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार वर्ष 2014 से 2021 में IIT, छप्ज्, केंद्रीय विश्वविद्यालयों और अन्य केंद्रीय संस्थानों के 122 छात्रों ने आत्महत्या की, बात यहीं खत्म नहीं होती यह बातें तब और बड़ी हो जाती हैं जब इंजीनियरिंग और मेडिकल की प्रवेश परीक्षा के जाने माने केंद्र कोटा में आए दिन आत्महत्या की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं, जो कि अत्यंत चिंता का विषय बन चुका है। कुछ और रिकॉर्ड पर नजर डालें तो वर्ष 2011 से लेकर अब तक लगभग 130 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है।

आईआईटी में हर वर्ष 10 हजार सीटों के लिए लगभग 13 लाख प्रतियोगी शामिल होते हैं। यह जाहिर है कि जितनी सीटें हैं उनके अलावा बाकी को इंतजार करना पड़ता है। कोटा जैसे केंद्र छात्रों को अपनी इच्छाओं और चुनाव के अलावा परिवार की महत्वाकांक्षाओं का ज्यादा बोझ होता है, जिसके चलते छात्र धिरे धिरे अवसाद ग्रसित होकर आत्महत्या जैसे कुकृत्य करने को विवश हो जाते हैं।

अगर हम कुछ मुख्य बिंदुओं पर बात करें तो मुख्यतया इस जोखिम का कारक शैक्षणिक दबाव है जिसके अंतर्गत माता–पिता, शिक्षक और समाज की अपेक्षाओं के अनुरूप परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करने का तनाव और अगर असफल हो गए तो निराशा की भावना का पैदा होना मानसिक तनाव के चलते अवसाद ग्रसित होना या अकेलापन और समर्थन की कमी। चूकि शैक्षणिक केंद्रों में छात्र दूर–दूर से आते हैं तो अकेलापन और अलगाववाद की प्रवृत्ति का जन्म होना स्वाभाविक है साथ ही वित्तीय चिंता वगैरह तमाम ऐसे कारण हैं जो आत्महत्या जैसी भावनाओं को जन्म देते हैं।

डब्ल्यूएचओ के आंकड़ो के अनुसार दुनिया भर में 79 फीसदी आत्महत्या निम्न व मध्य वर्ग वाले देश के लोग करते हैं और इसकी एक बड़ी तादाद ऐसे युवाओं की होती है जिन पर देश का भविष्य टिका हुआ है। बीते कुछ वर्षों में दुनिया भर में खुदकुशी के आंकड़ों में बढ़ोतरी हुई है लेकिन भारत में आत्महत्या के मामलो का बढ़ना चिंताजनक है। जहां तक छात्रों की आत्महत्या की बात है तो कहीं ना कहीं इन मामलों में अभिभावक भी दोषी हैं। ज्यादातर मामलों मैं देखा गया है कि माता–पिता और अभिभावक अपने बच्चों की क्षमता और उसकी रुची समझ नहीं पाते जिसके चलते छात्र मानसिक दबाव कारण आत्महत्या के लिए विवश हो रहे हैं। यह तभी रुक पाएगा जब हम अपने बच्चों को सकारात्मक सोच की तरफ प्रोत्साहित करें और उन्हें यह समझाएं कि वे अपनी क्षमता अनुसार मेहनत करें और सफलता की बुलंदियों को प्राप्त करें।

सरकार, सामाजिक संस्थानों और अन्य शिक्षण संस्थानों की ओर से छात्रों की काउंसलिंग के साथ पढ़ाई में मदद करने की जरूरत है और आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सकीय परामर्श मुहैया कराने की दिशा में तेजी से काम करने की आवश्यकता है।

(लेखक के अपने विचार है)
डॉ प्रमोद के सिंह

-पीसीएस-जे सेंट जोसेफ के कमल कान्त तिवारी ने पहले प्रयास में हासिल की 28वीं रैंक

-२८वीं रैक लेकर सेंट जोसेफ कालेज के कमल कांत तिवारी ने पीसीएस-जे में लहराया परचम-

-न्यायिक सेवा में जाकर लोगों को न्याय दिलाना जीवन का लक्ष्य-कमल कांत तिवारी

-मात्र छब्बीस वर्ष की आयु में जज बने कमल कांत-किया सेंट जोसेफ का नाम रोशन-

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ. उ0प्र0 लोक सेवा आयोग द्वारा घोषित पीसीएस–जे के परीक्षा परिणामों में कमल कांत तिवारी ने सफलता के झंडे गाड़ दिये। अपने पहले ही प्रयास में कमल कांत ने 28वीं रैंक हासिल की। साथ मात्र छब्बीस वर्ष की आयु में न्यायधीश बन गये इनकी इस सफलता पर परिवार के साथ नातेदार–रिश्तेदार और मोहल्ले में खुशी का माहौल है। चारो तरफ से बधाइयों का तांता लगा हुआ है। वही सेंट जोसेफ कालेज कमल कांत तिवारी की इस अभूतपूर्व सफलता पर जश्न मना रहा है। सेंट जोसेफ कालेज समूह की संस्थापक अध्यक्ष श्रीमती पुष्पलता अग्रवाल ने कमल कांत तिवारी की इस सफलता को विद्यालय के अन्य विद्यार्थियों के लिये प्रेरणा स्त्रोत बताया और उनकों अपनी हार्दिक शुभकामनायें प्रदान की।

कमल कांत की प्रारम्भिक शिक्षा सेंट जोसेफ कालेज की राजाजीपुरम् शाखा में हुयी। जहां वे कक्षा दो से पढाई कर रहे थे। 2014 बैच के पास आउट कमल कांत ने एलएलबी लखनऊ विश्वविद्यालय से तथा एलएलएम बीएचयू से किया है। वे अपने चार भाई–बहनों में तीसरे है तथा एक छोटा भाई भी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहा है। पिता शैलेश कुमार तिवारी वरिष्ठ लेखा परीक्षक है। उनकी माता श्रीमती विभा तिवारी इस सफलता से गद्गद् है। ग्राम भठवा तिवारीपुर, जिला देवरिया के मूल निवासी कमल कांत अपनी पढ़ाई में शुरू से ही अव्वल रहे। विज्ञान में उनकी खासी रूचि थी। उन्होने कई विज्ञान प्रतियोगिताओं में भाग लेकर राष्ट्रीय स्तर तक अपने विद्यालय को सम्मान दिलाया। उन्होने राजधानी के साथ–साथ अपने गांव का नाम भी रोशन किया। कमल कांत ने बताया कि शुरू से ही न्यायिक सेवा में जाने का उनका सपना था। उनके माता–पिता भी यही चाहते थे। अपनी सफलता का श्रेय उन्होनें अपने माता–पिता व अपने गुरूजनों को दिया। उन्होनें बताया कि लक्ष्य यदि सामने है और उसी पर फोकस रख कर प्रयास किया जाय तो सफलता निश्चित हो जाती है। इस अवसर पर सेंट जोसेफ समूह के प्रबन्ध निदेशक अनिल अग्रवाल ने कमल कांत की इस अदभुत सफलता पर बधाई देते हुये कहा कि सेंट जोसेफ समूह द्वारा कमल कांत तिवारी को उनके माता–पिता सहित सम्मानित किया जायेगा।

समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक हुई सम्पन्न

अयोध्या। समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक पार्टी कार्यालय लोहिया भवन गुलाब बाड़ी पर संपन्न हुई। जिसमें पार्टी के नेता कार्यकर्ता पदाधिकारीयो ने हिस्सा लिया । बैठक के अंत में जन समस्याओं को लेकर समाजवादी पार्टी ने प्रेस क्लब के सामने जिला अधिकारी को संबोधित ज्ञापन दिया । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर सपा के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व मंत्री विधायक अवधेश प्रसाद ने कहा कि आने वाले लोकसभा चुनाव बहुत महत्वपूर्ण है। हम सभी को इंडिया गठबंधन के तहत चुनाव लड़कर केंद्र में इंडिया गठबंधन की सरकार बनाना है । श्री प्रसाद ने कहा की सभी कार्यकर्ता बूथ स्तर तक कमेटी को मजबूत करें। श्री प्रसाद ने कहा कि साइकिल यात्रा के माध्यम से सपा सरकार के कार्यों को जन–जन तक पहुंचना है । कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सपा जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहा कि अयोध्या जनपद में साइकिल यात्रा 4 सितंबर को आ रही है जो पूरे जनपद में साइकिल यात्रा के माध्यम से सपा सरकार में किए गए कार्यों को जन–जन तक पहुंचा कर लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को विजय दिलाना है । पूर्व प्रत्याशी बीकापुर हाजी फिरोज खान गब्बर ने कहा कि साइकिल यात्रा के दौरान सभी कार्यकर्ता नेता साइकिल चलाकर सत्ता परिवर्तन करेंगे कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव बख्तियार खान ने किया।सपा जिला प्रवक्ता चौधरी बलराम यादव ने बताया कि आज पार्टी कार्यालय पर मासिक बैठक संपन्न हुई । जिसमें बूथ पर वोट बढ़ाने का काम सभी कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता से करना है । श्री यादव ने बताया कि साइकिल यात्रा 4 तारीख को चौरे बाजार से अयोध्या जनपद में प्रवेश करेंगी । 5 तारीख को मिल्कीपुर 6 तारीख को रुदौली 7 तारीख को बीकापुर 8 तारीख को अयोध्या 9 तारीख को गोसाईगंज के बाद बस्ती प्रस्थान करेगी । साइकिल यात्रा का नेतृत्व लोहिया वहिनी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक यादव कर रहे हैं।बैठक में नवनियुक्त पदाधिकारी का स्वागत हुआ अल्पसंख्यक सभा के प्रदेश सचिव सरफराज नसरुल्ला अल्पसंख्यक सभा के जिला अध्यक्ष राशिद जमील शिक्षक सभा के जिला अध्यक्ष दान बहादुर सिंह अधिवक्ता सभा के जिला अध्यक्ष सावेज जाफरी लोहिया वाहिनी के जिला अध्यक्ष रोहित यादव की पूरी जिला कमेटी का स्वागत किया गया । पार्टी कार्यालय की बैठक खत्म होने के बाद प्रेस क्लब पर एडीएम प्रशासक को ज्ञापन दिया गया।इस अवसर पर मुख्य रूप से जिला महासचिव बख्तियार खान,वरिष्ठ नेता छेदी सिंह, चेयरमैन जब्बार अली,बलराम मौर्य, एजाज अहमद, राजेश पटेल, ओपी पासवान, रामजी पाल, चौधरी बलराम यादव, छोटे लाल यादव, मोहम्मद हलीम पप्पू, जेपी यादव, रमाकांत यादव, रोली यादव, के के गुप्ता, गौरव पांडे, वसी हैदर गुड्डू,संजय यादव, सियाराम निषाद, रक्षा राम यादव, पृथ्वीराज यादव, अजय वर्मा, राजू छोटे लाल यादव, सतनारायण मौर्य, दान बहादुर सिंह, राम बक्श यादव, राम बहादुर यादव, जय सिंह यादव, शमशेर यादव, बिंदेश्वरी यादव, यदुनाथ यादव, अखिलेश पांडे, रामदीन रावत, विशाल यादव, राम रंग यादव, सूर्यभान यादव, शशांक शुक्ला, विंध्याचल सिंह, के के पटेल, दया प्रसाद यादव, मोहम्मद अली स्वामीनाथ वर्मा राजित राम रावत अजीत पटेल सूरज निषाद राकेश चौरसिया अंबुज मिर्जा सादिर हुसैन सनी यादव विपिन यादव दातादीन यादव मोहम्मद अयान मोहम्मद इश्तियाक आदि लोग मौजूद रहे ।

भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हम सबको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कंधों को मजबूत करना होगारू जितेंद्र सिंह

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना)

मेरी माटी मेरा देश अभियान को सफल बनाने के लिए जिला पधाधिकारियो के साथ भाजपा कार्यालय पर बैठक जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र और मुख्य अतिथि जितेंद्र सिंह क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवध प्रांत की उपस्थिति में संपन्न हुई।

बैठक को संबोधित करते हुए जितेंद्र सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अमृत महोत्सव की भाति मेरा देश मेरी माटी अभियान देश भर में शुरू किया गया है। पिछले अभियानों की तरह इस अभियान को भी हम सब को मिलकर सफल बनाना है। इस अभियान के अंतर्गत 8 सितंबर से 13 सितंबर तक ग्राम सभाध्नगरीय वार्डों और 3 सितंबर से 13 सितंबर को ब्लॉक स्तर और नगर निकाय में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ग्राम स्तर से लेकर मंडल स्तर तक सभी नियुक्त प्रभारियों को हर घर से मिट्टी संग्रहित करनी होगी। जिसे कलश में भरकर दिल्ली भेजा जाएगा। इसी के साथ प्रत्येक गांव में 75 पौधे लगाकर अमृत वाटिका का निर्माण करना है और प्रत्येक वार्ड में पांच प्रतिज्ञा का सामूहिक कार्यक्रम करना होगा। जिसमें जनमानस की भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी।

भारत को विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हम सबको प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कंधों को मजबूत करना होगा और यह तभी हो सकता है जब हम सब घर से निकलकर प्रत्येक घर से शत प्रतिशत मतदान करने का कार्य करेंगे। विपक्ष भाजपा की बढ़ती लोकप्रियता और जनकल्याणकारी योजनाओं से बौखला गया है। देश में माहौल खराब करने के लिए विपक्ष अनैतिक हथकंडे अपना रहा है। आज तक जो विपक्ष एक दूसरे को फूटी आंख नहीं सुहाता था वह सिर्फ इसलिए एक हो गया कि उसे मोदी को हराना है, लेकिन उनके यह मंसूबे हर बार की तरह इस बार भी धराशाई हो जायेंगे क्योंकि जनता का अटूट विश्वास भाजपा और उसके प्रधानसेवक नरेंद्र मोदी के साथ है।

कांग्रेस व अन्य विपक्षी दल मोदी विरोध में देश विरोधी शक्तियों के साथ मिलकर तरह–तरह के प्रपंच रचने का प्रयास कर रहे हैं जनता को भ्रमित करने का कुचक्र रच रहे हैं जिससे किसी तरह देश की जनता का ध्यान देश में हो रहे अभूतपूर्व विकास देश के बाहर भारत के बढ़ते प्रभाव हट जाए परंतु ऐसा होने वाला नहीं है क्योंकि मोदी का अटूट गठबंधन तो 2014 से देश की जनता के साथ हो चुका है बाकी सब विपक्षी मुंह की खाएंगे।

भ्रष्टाचार के आकंठ में डूबे लोग मंच पर खड़े होकर एकता की बाते कर रहे है। उन्हें जनता के हित से कोई मतलब नहीं, उन्हे चिंता है तो सिर्फ अपनी और अपने परिवार की। जाति और संप्रदाय के नाम पर देश को तोड़ने वाले के पास देश के विकास को लेकर कोई खाका नहीं है। देश का जनमानस भाजपा को 2024 में 2019 से भी बड़ी जीत देने का मन बना चुका है।

जिलाध्यक्ष सौरभ मिश्रा ने अध्यक्ष संबोधन में कैसे अभियान पूर्ण सफल हो इसका पूरा खाका पदाधिकारी कार्यकर्ताओं के समक्ष रखा।

कार्यक्रम में पूर्व जिला अध्यक्ष श्री कृष्ण शास्त्री राजीव रंजन मिश्रा राम बहादुर सिंह क्षेत्रीय मंत्री संजय गुप्ता क्षेत्रीय कार्यालय मंत्री विमल सिंह पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष उमेश अग्रवाल जिले के पदाधिकारी मोर्चो के अध्यक्ष मंडल प्रभारी मंडल अध्यक्ष प्रकोष्ठों के जिला संयोजक एवं अभियान की मंडल टोली के सदस्य गण मौजूद रहे।

विज्ञान जागरूकता व नवाचार मेला और वैज्ञानिक व्याख्यान सम्पन्न

अयोध्या। एन.सी.एस.टी.सी, डी. एस.टी. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय भारत सरकार तथा विज्ञान जागृति संस्थान के तत्वावधान में ग्रामीणों के वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास के लिए विज्ञान जागरूकता एवं नवाचार मेला का शुभारंभ मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज सलोन रायबरेली में दिनांक 1 सितंबर 2023 से प्रारंभ हुआ। विज्ञान मेला में वैज्ञानिक व्याख्यान हुआ।इस विज्ञान मेले में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित हुई।भाषण प्रतियोगिता में अनुभव पांडे, शिवा,यश निर्मल आदि छात्र–छात्राओं ने भाषण दिया। विज्ञान वाद–विवाद प्रतियोगिता में अविनाश मौर्य ,आदित्य प्रताप सिंह, ने विज्ञान वरदान है या अभिशाप पर वाद–विवाद किया। विज्ञान के विभिन्न पहलुओं पर प्रतियोगिताएं कराई गई और सभी प्रतियोगिताएं का मूल्यांकन प्रधानाचार्य के नेतृत्व में गीता सिंह शैलेन्द्र एवं वैज्ञानिकों के विभिन्न पैनल द्वारा किया गया। मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज सलोन के प्रधानाचार्य शबा चौधरी ने सभी छात्र–छात्राओं को बधाई दी।छात्र–छात्राओं को बताया कि इस विज्ञान मेले के होने से आप सभी के अंदर एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण उत्पन्न होगा। मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज के बृजिश कुमार ने कहा सभी छात्र–छात्राओं के विज्ञान वाद– विवाद बहुत ही अच्छे रहे हैं। सभी प्रतियोगिताओं में छात्र– छात्राओं ने बहुत अच्छे तरीके से प्रस्तुत किया। जीतेन्द्र जी ने कहा इस विज्ञान मेले से छात्र–छात्राओं में विज्ञान अभिरुचि और आगे बढ़ाने की जिज्ञासा उत्पन्न हुई।अखिल भारतीय विज्ञान दल के राष्ट्रीय इन्नोवेटर प्रकोष्ठ अध्यक्ष युवा वैज्ञानिक आशुतोष पाठक जी ने बताया इस विज्ञान मेले में जिले के मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज सहित विभिन्न विद्यालयों के छात्र, छात्रा ,सरकारी, गैर सरकारी संस्थाएं, किसान, बाल वैज्ञानिक, युवा वैज्ञानिक, इन्नोवेटर आदि लोगो मौजूद रहे। विज्ञान मेला का मूल्यांकन वैज्ञानिकों के विभिन्न पैनल द्वारा किए जाने पर डॉ सुधीर कुमार शुक्ला प्रिंसिपल को कोऑर्डिनेटर, प्रोफेसर शोभित विश्वविद्यालय ने छात्र–छात्रों का उत्साह वर्धन किया। उन्होंने कहा कि यह विज्ञान मेला कई दिनों तक चलेगा जिसमें वैज्ञानिक व्याख्यान दिया गया। इस विज्ञान मेला में देश के कोने–कोने से वैज्ञानिक इन्नोवेटर उपस्थिति हुए। सरकारी तथा गैर सरकारी संस्थाओं के स्टाल लगाए गए। विज्ञान प्रतियोगिताओं में विजई प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं सर्टिफिकेट वितरित किया गया। इस विज्ञान मेला में भारत सरकार के वैज्ञानिक डॉ घनश्याम पांडे डॉ मृदुल शुक्ला,गीता सिंह, शैलेन्द्र, ब्रिजेश कुमार, जीतेन्द्र डॉ आनंदेश्वरी अवस्थी काशी विश्वनाथ मिश्र अतुल द्विवेदी जानवी पांडे अलका राय विपिन शुक्ला शशिकांत तिवारी इत्यादि उपस्थित हुए।

स्टडी हॉल स्कूल के छात्र ने मोतियाबिंद का पता लगाने के लिए ऐप बनाया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। स्टडी हॉल स्कूल ने यूपी टी.एस.यू (उत्तर प्रदेश टेक्निकल सपोर्ट यूनिट) के सहयोग से शनिवार को 2 सितंबर को स्टडी हॉल स्कूल के परिसर में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान, मोतियाबिंद का पता लगाने के लिए एक एआई–आधारित एक मोबाइल ऐप "रोशनी" पेश किया गया। ऐप को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन और इंडिया हेल्थ एक्शन ट्रस्ट द्वारा संयुक्त रूप से विकसित किया गया था, जिसमें स्टडी हॉल स्कूल के 12वीं कक्षा के छात्र ईशान व संतकुमार का विशेष योगदान था।

ईशान का मोतियाबिंद से व्यक्तिगत संबंध रह चूका था, क्योंकि उसके नाना–नानी दोनों को तीन साल पहले इस बीमारी का पता चला था, जिसके कारण इस बीमारी में ईशान की दिलचस्पी बढ़ गई। उसने स्वंयसेवी संस्था "साइट सेवर" में स्वेच्छा से काम किया और बाद में यूपी एस.टी. यू में इंटर्नशिप की, जहां उसे विशेष रूप से उत्तर प्रदेश में शीघ्र मोतियाबिंद का पता लगाने पर केंद्रित एक परियोजना शुरू करने के लिए राजी किया। ईशान कहते हैं कि, मोबाइल ऐप "रोशिनी" सामाजिक भलाई के लिए एक नवाचार है। यह एआई–आधारित एप्लिकेशन उत्तर प्रदेश को मोतियाबिंद बैकलॉग–मुक्त बनने में मदद करेगा। व्यक्तिगत रूप से, यह आत्म–खोज और सशक्तिकरण की यात्रा रही है।

रोशिनी ऐप उपयोगकर्ता के अनुकूल है, जो इसे आम जनता और फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं दोनों के लिए सुलभ बनाता है जो प्राथमिक मोतियाबिंद जांच के माध्यम से ग्रामीण समुदायों की सहायता करेंगे। इसका लक्ष्य अनुपचारित मोतियाबिंद के कारण होने वाले अनावश्यक अंधापन और गंभीर दृष्टि समस्याओं को खत्म करना है। ऐप के कार्यान्वयन का प्रारंभिक चरण वाराणसी, फतेहपुर और हापुड जिलों में शुरू होने वाला है।

श्री सत्य स्वरूप जी (यूपी एसटीयू के डेटा साइंस विशेषज्ञ) ने कहा, ष्इस ऐप के माध्यम से हम ग्रामीण समुदायों में मोतियाबिंद स्क्रीनिंग में परिवर्तन लाना चाहते हैं, हम ज्यादा से ज्यादा लोगो तक पहुंचना चाहते है और उन्हें स्वस्थ जीवन शैली जीने में मदद करना चाहते हैं

शिविर की शुरुआत रोशिनी ऐप के प्रदर्शन और प्रतिभागियों के लिए मुफ्त मोतियाबिंद जांच के साथ हुई। ईशान और स्टडी हॉल स्कूल के छह स्वयंसेवकों ने एक सफल कार्यक्रम की आयोजन में श्री कृष्ण पाठक (ऑप्टोमेट्रिस्ट) और यूपी एस.टी.यू टीम सहायता की।

स्कूल की प्रिंसिपल मीनाक्षी बहादुर ने कहा, "ईशान की कड़ी मेहनत जल्द ही प्राथमिक मोतियाबिंद जांच को हमारे देश के लिए सुलभ बनाएगी, और हमें उस पर अविश्वसनीय रूप से गर्व है। हम उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हैं।"

कोतवाली नगर पुलिस ने चौन स्नैचिंग गिरोह का गिरोह का किया पर्दाफाश

इसमें शामिल तीनो आरोपी महिला ई रिक्शा में बैठकर देती थी अंजाम

अयोध्या।इधर कुछ दिनों से शहर में चौन स्नैचिंग की घटनाएं दिन प्रतिदिन बढ़ती ही जा रही थी।जिसे गंभीरता से लेते हुए एसएसपी राज करन नैय्यर ने इसका वारदात को अंजाम देने वाले गिरोह का खुलासा करने का निर्देश अपने अधीनस्थ पुलिस कर्मियों को दिया।जिसका नतीजा यह रहा कि शुक्रवार को देर शाम एसपी सिटी मधुवन कुमार सिंह के निर्देशन व सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह के कुशल पर्यवेक्षण मे प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्विनी कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में एक टीम का गठन हुआ। जिसमें शामिल ध्र्मेन्द्र कुमार सिंह प्रभारी चौकी हवाईपट्टी, सत्य प्रकाश यादव प्रभारी चौकी नवीनमंडी, कांस्टेबल अभिषेक कुमार, कांस्टेबल चन्द्रेश यादव, महिला कांस्टेबल अनीता चौरसिया व वन्दना कुमारी ने इस गिरोह में शामिल आरोपी महिला राधा देवी पत्नी स्वर्गीय सोहन निवासिनी बनदुवारी थाना उरूवा बाजार जनपद गोरखपुर,खुशबू पत्नी राहुल निवासिनी बनदुवारी थाना उरूवा बाजार जनपद गोरखपुर तथा पूजा पत्नी बेचन निवासिनी तियर थाना बांसगंज जनपद गोरखपुर को गिरफ्तार कर उनके पास से चोरी की चौन,नकद रुपए भी बरामद किया।महिला पुलिस कर्मियों द्वारा सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपी महिलाओ ने बताया कि हम लोग गोरखपुर से चेन काटने के लिये आये थे। देवकाली के पास रोड के किनारे खड़े थे कि एक महिला गले में चेन पहनकर ई–रिक्शा से जा रही थी। हम लोग भी उसी ई– रिक्शे मे बैठकर मिलकर उसकी चेन काट ली थी। इसके अलावा उन्होंने कबूला कि वे सभी 26 अगस्त को सुबह 09.30 बजे के आस–पास एक महिला ई–रिक्शे से जा रही थी, हम लोग अग्रसेन चौराहे से उसी ई– रिक्शे पर बैठ गये और शान्ति चौक पर उसकी चेन काट लिए ।और उस चेन को अयोध्या में अज्ञात व्यक्ति को बेच दिया था।यह जो पैसे है उसी बेची गयी चेन के शेष बचे हुये रुपये है।उन महिलाओ ने पूछताछ के दौरान बताया कि हम सभी लोग एक साथ ई–रिक्शा व आटो में बैठ जाते है और दूसरी महिलाओं से धका मुक्की करते हुये मौका पाकर उनकी चेन काट लेते थे। पुलिस आरोपी महिलाओं से सम्बन्धित थाने से सम्पर्क कर उनका आपराधिक इतिहास खंगालने में जुटी है।

पुष्पा कुमारी बनी जिला महिला चिकित्सालय की नई मैट्रन इंचार्ज

अयोध्या।जिला महिला अस्पताल के सीएमएस आर पी वर्मा ने मैट्रन राजकुमारी की जगह अब पुष्पा कुमारी को नया मैट्रन बनाया है।इस संबंध में सीएमएस आरपी वर्मा ने बताया कि राजकुमारी को सेप्टिक इंचार्ज बनाया है।जबकि पुष्पा कुमारी अब नसों की ड्यूटी लगाएंगी।आये दिन जिला महिला चिकित्सालय में मैट्रन के पद पर तैनात रही राज कुमारी की शिकायत वहां पर भर्ती मरीजों व तीमारदारो द्वारा सीएमएस डॉ आर पी वर्मा तक पहुंचती ही थी।इसके अलावा कई बार जिला महिला चिकित्सालय में तैनात नर्स के आने जाने का कोई समय नहीं था।

इसके अलावा कई बार तो सीएमएस डॉ आर पी वर्मा तक सूत्रों द्वारा यह भी शिकायत आती थी कि मैट्रन पद पर तैनात रही राज कुमारी से वहां पर तैनात नर्स आपसी सांठगांठ के चलते वे अंगूठा लगाकर फिर रफू चक्कर हो जाती थी।जिसकी कई बार जांच भी सीएमएस करा चुके हैं।जिसके चलते उनको उन्होंने की बार उन्हें चेतावनी भी दे चुके हैं।परन्तु यह सिलसिला चलता रहा।आखिरकार सीएमएस डॉ आर पी वर्मा ने मैट्रन राज कुमारी को उनके पद से हटाकर उन्हें सेप्टिक इंचार्ज बनाया है और पुष्पा कुमारी को नया मैट्रन इंचार्ज बनाया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक को लगी गोली

(डॉ अजय तिवारी जिला संबाददाता)

अयोध्या

घायल युवक का चल रहा है दर्शन नगर मेडिकल कॉलेज में इलाज। पुलिस दो लोगों को हिरासत में लेकर कर रही है पूछताछ। कैंट थाना क्षेत्र के निवासी लक्ष्मण निषाद ने गोली मारने का लगाया आरोप। अयोध्या कोतवाली क्षेत्र के धर्म कांटा निवासी दंपति को पुलिस हिरासत में लेकर कर रही है पूछताछ।लक्ष्मण निषाद के पैर और हाथ में लगे हैं छर्रे। पुलिस मामले को संदिग्ध मानकर कर रही है जांच। अयोध्या कोतवाली के ध्रमपुरवा क्षेत्र का मामला।

बी पैक्स सदस्यता अभियान का हुआ शुभारंभ,30 सितंबर तक चलेगा अभियान

सुल्तानपुर– मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बी पैक्स सदस्यता महाभियान एवं टोल फ्री नंबर शुभारंभ किया.जिला सहकारी बैंक परिसर में एलईडी लगाकर मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया।जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह के संयोजन व भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. आरए की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा सरकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश सह संयोजक रामचंद्र मिश्रा सहित बड़ी संख्या में सहकारिता से जुड़े लोगों ने मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को लाइव देखा।इस दौरान लोगों को सदस्यता किट दी गई।इस मौके पर भाजपा नेता रामचन्द्र मिश्र ने कहा जनपद में 01 से 30 सितंबर तक सदस्यता अभियान चलेगा।उन्होंने कहा

कि डबल इंजन सरकार सहकारिता को समृद्धि के साथ जोड़ते हुए कार्यक्रम को आगे बढ़ा रही है।पैक्स अब खाद और बीज बेचने तक सीमित नही होगा,इसको कॉमन सर्विस डेवलपमेंट सेंटर के रूप में विकसित किया जायेगा।भाजपा जिलाध्यक्ष डा.आरए वर्मा ने कहा सरकार सहकारिता को समृद्धि के साथ जोड़ते हुए उसकी सबसे आधारभूत इकाई पैक्स को मजबूत बनाने का काम कर रही है।जिला सहकारी बैंक अध्यक्ष योगेंद्र प्रताप सिंह ने कहा सुल्तानपुर में 115 व अमेठी में 70 समितियां हैं। प्रत्येक समिति में 200 सदस्य बनाए जाएंगे।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।